E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -11 अंक -111 प्रयागराज, बुधवार 09 जुलाई, 2025 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रुपये

ब्रासीलिया में मोदी- शिव तांडव स्त्रोत, क्लासिकल डांस से स्वागत,राष्ट्रपति सिल्वा से ट्रेड और डिफेंस पर बात करेंगे; कल नामीबिया पहुंचेंगे

ब्रासीलिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिक्स समिट में शामिल होने के बाद मंगलवार को रियो डी जनेरियो से ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया पहुंचे। यहां पर उनका स्वागत शिव तांडव स्तोत्र और भारतीय शास्त्रीय नृत्य से किया गया। पीएम मोदी आज ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के साथ ट्रेड, डिफेंस, एनर्जी, स्पेस, टेक्नोलॉजी, खेती और हेल्थ समेत कई मुद्दों पर द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। भारतीय पीएम 2 जुलाई से 10 जुलाई तक 5 देशों की यात्रा पर हैं। अब तक वे घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना का दौरा कर चुके हैं। फिलहाल वे ब्राजील दौरे पर हैं और यहां से नामीबिया जाएंगे। पीएम मोदी ने इससे पहले सोमवार को ब्रिक्स सम्मेलन में पर्यावरण, जलवायु सम्मेलन और वैश्विक स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि लोगों और धरती का स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। मोदी ने कहा- कोरोना महामारी ने दिखा दिया कि बीमारी किसी पासपोर्ट या वीजा की मोहताज नहीं होती और इसका समाधान भी सबको मिलकर ही निकालना होता है। इसलिए, हमें अपने ग्रह को स्वस्थ रखने के लिए मिलकर कोशिश करनी होगी। ब्रिक्स देशों ने रविवार को 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ब्रिक्स से जुड़ने की इच्छा रखने वाले नए देशों पर एक्स्ट्रा 10फीसदी टैरिफ का ऐलान किया है। 1. ब्रिक्स की असली ताकत है इसकी विविधता पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिक्स देशों की अलग-अलग सोच और बहुध्रुवीय दुनिया में भरोसा ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। 2. न्यू डेवलपमेंट बैंक को सोच-समझकर निवेश करना चाहिए उन्होंने कहा कि बैंक को सिर्फ उन्हीं प्रोजेक्ट्स में पैसा लगाना चाहिए जो जरूरी हों, लंबे समय तक फायदे वाले हों और जिससे बैंक की साख बनी रहे। 3. विज्ञान और रिसर्च के लिए साझा प्लेटफॉर्म बनाने का सुझाव पीएम मोदी ने एक ऐसा ब्रिक्स रिसर्च सेंटर बनाने का प्रस्ताव रखा, जहां सब देश मिलकर विज्ञान और टेक्नोलॉजी पर काम कर सकें। 4. संसाधनों का गलत इस्तेमाल न हो मोदी ने कहा कि किसी देश को यह हक नहीं कि वो किसी भी संसाधन को सिर्फ अपने फायदे के लिए या हथियार की तरह इस्तेमाल करे। 5. डिजिटल कंटेंट पर कंट्रोल जरूरी उन्होंने कहा कि हमें ऐसा सिस्टम बनाना चाहिए जिससे पता चले कि कोई डिजिटल जानकारी असली है या नहीं, वो कहां से आई, और उसका गलत इस्तेमाल न हो। 6. भारत में होगी एआई इम्पैक्ट समिट पीएम मोदी ने बताया कि भारत जल्द ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर एक बड़ा सम्मेलन करेगा, जिसमें इसकी चुनौतियों और अच्छे उपयोग पर चर्चा होगी।ट्रम्प की ब्रिक्स से जुड़ने वाले देशों पर 10फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ की धमकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ब्रिक्स से जुड़ने वाले देशों को धमकी दी है। उन्होंने रविवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि जो भी देश अमेरिका विरोधी ब्रिक्स नीतियों के साथ खुद को जोड़ेंगे, उन पर 10फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। इसमें किसी को भी छूट नहीं मिलेगी। दरअसल, ब्रिक्स घोषणा पत्र में विश्व व्यापार संगठन के नियमों के खिलाफ बढ़ते टैरिफ पर चिंता जताई गई। इन टैरिफ को वैश्विक व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला के लिए खतरा बताया गया। हालांकि, इसमें सीधे तौर पर अमेरिका का नाम नहीं लिया गया। पीएम मोदी के भाषण की अन्य प्रमुख बातें.ग्लोबल साउथ के साथ भेदभाव:- पीएम मोदी ने कहा कि ग्लोबल साउथ डेवलपमेंट, रिसोर्स डिस्ट्रीब्यूशन और सुरक्षा जैसे मुद्दों में दोहरे मापदंड का शिकार रहा है। ग्लोबल साउथ के हितों को प्राथमिकता नहीं दी गई, लेकिन भारत हमेशा मानवता के हित में अपने स्वार्थों से ऊपर उठकर काम करता है। ब्रिक्स का विस्तार और सुधारः- ब्रिक्स का विस्तार और नए देशों का शामिल होना इसकी समय के साथ बदलने की क्षमता को दर्शाता है। पीएम मोदी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद , विश्व व्यापार संगठन और न्यू डेवलपमेंट बैंक में सुधार की जरूरत पर बल दिया।आतंकवाद पर कड़ा रुखः- पीएम मोदी ने आतंकवाद को मानवता के लिए सबसे बड़ी चुनौती बताया। 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला भारत की आत्मा, पहचान, और गरिमा पर हमला है, जो पूरी मानवता के खिलाफ है। आतंकवाद पर सख्ती की मांगः- आतंकवाद की निंदा को सिद्धांत बनाना चाहिए, न कि सुविधा के आधार पर। आतंकियों पर प्रतिबंध लगाने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। आतंकवाद के पीड़ितों और समर्थकों को एक ही तराजू पर नहीं तौला जा सकता। व्यक्तिगत या राजनीतिक फायदे के लिए आतंकवाद को मौन समर्थन देना स्वीकार नहीं किया जा सकता है। शांति और सहयोग पर जोरः- पश्चिम एशिया से यूरोप तक फैले विवाद और तनाव पर चिंता जताई, खासतौर से गाजा की स्थिति पर। भारत, बुद्ध और गांधी की धरती है, वह युद्ध और हिंसा को खारिज करता है। शांति ही मानवता के कल्याण का एकमात्र रास्ता है। भारत दुनिया को विभाजन और संघर्ष से दूर ले जाने और संवाद, सहयोग, और एकता की दिशा में ले जाने की हर कोशिश का समर्थन करता है। भारत सभी मित्र देशों के साथ सहयोग और साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध है। ब्रिक्स की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक वह 11 प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों का एक समूह है। इनमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और इंडोनेशिया शामिल हैं। इसका मकसद इन देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक सहयोग को बढ़ावा देना है। इसमें शुरुआत में 4 देश थे, जिसे ब्रिक्स कहा जाता था। यह नाम 2001 में गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्री जिम ओ'नील ने दिया था। तब उन्होंने कहा था कि ब्राजील, रूस, भारत और चीन आने वाले दशकों में वैश्विक अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाएंगे। बाद में ये देश एक साथ आए और इस नाम को अपनाया।सोवियत संघ के पतन के बाद और 2000 के शुरुआती सालों में दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पश्चिमी देशों का दबदबा था। अमेरिका का डॉलर और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष फैसले करती थीं।इस अमेरिकी दबदबे को कम करने के लिए रूस, भारत, चीन और ब्राजील ब्रिक के तौर पर साथ आए, जो बाद में ब्रिक्स हो गया। इन देशों का मकसद ग्लोबल साउथ यानी विकासशील और गरीब देशों की आवाज को मजबूती देना था।2008-2009 में जब पश्चिमी देश आर्थिक संकट से गुजर रहे थे। तब ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही थी। आर्थिक संकट से पहले पश्चिमी देश दुनिया की 60फीसदी से 80फीसदी अर्थव्यवस्था को कंट्रोल कर रहे थे, लेकिन मंदी के दौर में ब्रिक्स देशों की इकोनॉमिक ग्रोथ से पता चला कि इनमें तेजी से बढ़ने और पश्चिमी देशों को टक्कर देने की क्षमता है। 2009 में रूस के येकातेरिनबर्ग में हुई बैठक में ब्रिक्स देशों ने मल्टीपोलर वर्ल्ड यानी बहुध्रुवीय दुनिया की कल्पना की गई, जहां पश्चिमी देशों की आर्थिक पकड़ कमज़ोर हो और सभी देशों को बराबरी का हक मिले। 2014 में ब्रिक्स ने एक बड़ा कदम उठाते हुए न्यू डेवलपमेंट बैंक बनाया, जो इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए फंड देता है। इसके साथ-साथ एक रिजर्व फंड भी बनाया गया ताकि आर्थिक संकट के समय इन देशों को अमेरिकी डॉलर पर निर्भर न रहना पड़े।

ट्रम्प ने टैरिफ डेडलाइन 1 अगस्त तक बढ़ाई,बांग्लादेश-जापान समेत 14 देशों पर टैरिफ लगाया; म्यांमार-लाओस पर सबसे ज्यादा 40फीसदी टैक्स

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को घोषणा की है कि वे ग्लोबल टैरिफ बढ़ाने की अंतिम तारीख 9 जुलाई से बढ़ाकर 1 अगस्त कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने बांग्लादेश-जापान समेत 14 देशों पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान भी किया है। ट्रम्प प्रशासन ने सोमवार को सभी प्रभावित देशों को औपचारिक रूप से लेटर भेजकर इस निर्णय की जानकारी दी। इस फैसले के तहत कुछ देशों पर 25फीसदी टैक्स लगाया गया है, जबकि कुछ पर 30फीसदी से 40फीसदी तक का भारी शुल्क लगाया गया है। दक्षिण कोरिया और जापान के नेताओं को ट्रम्प ने सबसे पहले लेटर भेजा और कहा कि उनके देश से आने वाले सामान पर अब 25फीसदी शुल्क लगेगा। उन्होंने लिखा कि ये टैक्स इसलिए जरूरी हैं, ताकि अमेरिका और इन देशों के बीच व्यापार में जो असंतुलन है, उसे सुधारा जा सके।ट्रम्प ने अप्रैल में पहली बार सभी अमेरिकी आयात पर 10फीसदी बेसलाइन टैक्स और 60 देशों पर अलग-अलग टैक्स लगाने की बात की थी। उस घोषणा के बाद दुनियाभर के शेयर और बॉन्ड बाजारों में उथल-पुथल मच गई थी, इसलिए उन्होंने टैरिफ को कुछ समय के लिए टाल दिया था और देशों को अमेरिका के साथ नई डील करने का मौका दिया था। पहले उन्हें 8 जुलाई तक का वक्त दिया गया था, ताकि 9 जुलाई से नए टैरिफ लागू हो सकें। अब ये डेडलाइन बढ़ाकर 1 अगस्त कर दी गई है।न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा है कि ट्रम्प इस हफ्ते कई देशों के साथ ट्रेड डील का ऐलान कर सकते हैं। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील बहुत करीब पहुंच चुकी है। यूरोपीय यूनियन भी अमेरिका के साथ समझौता करने के काफी नजदीक है। इसके साथ ही पाकिस्तान, ताइवान और स्विटजरलैंड जैसे दूसरे देश भी अमेरिका के साथ ट्रेड डील करने का रास्ता तलाश रहे हैं।अब तक अमेरिका ने सिर्फ ब्रिटेन और वियतनाम के साथ दो शुरुआती डील की हैं। हालांकि, इन समझौतों में ज्यादा जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। वियतनाम वाले सौदे में तो किसी भी पक्ष ने यह भी साफ नहीं किया कि वास्तव में किन बातों पर सहमति बनी है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका ने ब्रिटेन पर 10फीसदी का टैरिफ लगाया है। इसके अलावा स्टील और एल्युमिनियम पर अलग से अमेरिका 25फीसदी का टैरिफ लगाएगा। वहीं, ब्रिटेन, अमेरिकी सामानों पर 0फीसदी टैरिफ लगाएगा। वहीं, अमेरिका ने वियतनाम पर 20फीसदी टैरिफ लगाया है। यानी कि वियतनाम के सामान अमेरिका में 20फीसदी ज्यादा कीमत पर बिकेंगे। वहीं, वियतनाम ने अमेरिकी सामानों पर 0फीसदी टैरिफ लगाया है।जापान और साउथ कोरिया अमेरिका के करीबी साथी हैं, लेकिन उनके साथ अमेरिका की ट्रेड डील नहीं हो पाई। इसकी वजह यह भी है कि दोनों देशों में चुनाव होने वाले हैं। साथ ही ट्रम्प इन दोनों देशों के सबसे अहम प्रोडक्ट्स जैसे कि कार, स्टील और इलेक्ट्रॉनिक्स पर अलग से ज्यादा टैरिफ लगाने की बात भी कर रहे हैं। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मेजबानी करते हुए पत्रकारों से भी बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, अमेरिका ने ब्रिटेन और चीन के साथ समझौता किया है। अब भारत के साथ भी व्यापार समझौते पर पहुंचने के करीब है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने फिर से दावा किया कि उनकी सरकार ने भारत और पाकिस्तान के बीच एक बहुत बड़ी लड़ाई को रोक दिया। उन्होंने कहा, 'हमने दोनों देशों से कहा कि अगर आप आपस में लड़ेंगे, तो हम आपके साथ कोई व्यापारिक संबंध नहीं रखेंगे। वे शायद परमाणु युद्ध के स्तर पर थे। इसे रोकना बहुत जरूरी था।'ट्रम्प की टैरिफ चेतावनी का ब्रिक्स के प्रमुख देश चीन ने कड़ा विरोध किया है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक मंच पर एक सकारात्मक संगठन है। निंग ने कहा, चीन किसी भी प्रकार के टैरिफ और ट्रेड वॉर का विरोध करता है। टैरिफ लगाने के नाम पर धमकाना अथवा गैरजरूरी दबाव डालना का हर स्तर पर विरोध किया जाएगा। ट्रम्प ने 2 अप्रैल को दुनियाभर के देशों पर रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ लगाया था, बाद में इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया गया। इसकी डेडलाइन 9 जुलाई 2025 को खत्म हो रही थी, जिसे 1 अगस्त तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इसे ध्यान में रखते हुए भारत और अमेरिका के बीच भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है। अगर 1 अगस्त से पहले यह समझौता नहीं हुआ, तो भारत पर 26फीसदी टैरिफ लागू हो सकता है। भारत और अमेरिका की टीमें लगातार वॉशिंगटन में बातचीत कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि डील के ज्यादातर हिस्सों पर सहमति बन चुकी है, और 8 जुलाई को इसका ऐलान हो सकता है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत राष्ट्रीय हितों को सबसे ऊपर रखेगा। अगर ये मिनी ट्रेड डील हो जाती है, तो: भारत के लिए फायदे:- टेक्सटाइल, दवाइयां, ज्वेलरी को अमेरिकी बाजार में ज्यादा पहुंच मिलेगी। 26फीसदी रेसिप्रोकल टैरिफ हटने से भारतीय निर्यात सस्ता होगा, जिससे व्यापार बढ़ेगा। 2030 तक भारत-अमेरिका का द्विपक्षीय व्यापार 500 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। अमेरिका के लिए फायदे:- पेकान नट्स, ब्लूबेरी, और ऑटोमोबाइल जैसे प्रोडक्ट्स को भारत में कम टैरिफ पर बेचने का मौका मिलेगा। भारत के साथ व्यापारिक रिश्ते मजबूत होंगे, जो एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के प्रभाव को काउंटर करने के लिए अहम है। दोनों देशों के लिए: ये डील भविष्य में बड़े फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की नींव रख सकती है। क्या रुकावटें आईं? बातचीत में कुछ बड़े पेंच फंसे थे:- कृषि और डेयरी पर असहमतिः अमेरिका जीएम फसलों और डेयरी प्रोडक्ट्स को भारत में बेचने की मांग कर रहा था, लेकिन भारत ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। टैरिफ को लेकर मतभेदः भारत चाहता है कि अमेरिका 26फीसदी रेसिप्रोकल टैरिफ और 10फीसदी बेसलाइन टैरिफ को पूरी तरह हटाए, लेकिन अमेरिका 10फीसदी टैरिफ बनाए रखना चाहता है। ट्रम्प का दबावः ट्रम्प ने कहा था कि जो देश 9 जुलाई तक डील नहीं करेंगे, उन्हें टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। भारत ने साफ कर दिया कि वो दबाव में नहीं झुकेगा। ये डील सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है, इसका सामरिक महत्व भी है: चीन के खिलाफ रणनीतिः भारत और अमेरिका का ये समझौता एशिया-पैसिफिक में चीन के बढ़ते प्रभाव को काउंटर करने का हिस्सा है। क्वाड (भारत, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया) के तहत दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत होंगे। रूस और तेल आयातः भारत का रूस से सस्ता तेल खरीदना अमेरिका को खटक रहा है। ट्रम्प ने रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 500फीसदी टैरिफ का प्रस्ताव रखा है, लेकिन इस डील से भारत को कुछ राहत मिल सकती है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट का दावा है कि 90 देश अमेरिका के साथ ट्रेड डील करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, डील के ऑफर से वाइट हाउस का मेल इनबॉक्स भर गया है।

चेनपुलिंग कर ट्रेन में शराब-बियर की हो रही थी लोडिंग, बिहार में एंट्री से पहले हुई सर्जिकल स्ट्राइक

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के दिलदारनगर रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने बड़ी शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। डाउन 12488 सीमांचल एक्सप्रेस (आनंद विहार-जोगबनी) की सामान्य बोगी से 8 शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्करों के पास से 162.600 लीटर अंग्रेजी शराब और बियर बरामद की गई है। जब्त शराब और बियर की बाजार में कीमत 118640 रुपये आंकी गयी है।आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी महेंद्र प्रसाद दुबे ने बताया कि कुछमन और सकलडीहा स्टेशन के बीच किलोमीटर संख्या 739/08 पर तस्करों ने चेनपुलिंग कर शराब और बियर ट्रेन में चढ़ाने की कोशिश तस्कर कर रहे थे। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए आरपीएफ और जीआरपी की टीम ने चेनपुलिंग ठीक कर ट्रेन की जांच की। सामान्य (जनरल) बोगी से बैग और बोरे में छिपाई गई शराब और बियर बरामद हुई।ट्रेन के दिलदारनगर स्टेशन पर रुकने पर सभी 8 तस्करों को उतारकर हिरासत में लिया गया। पूछताछ में तस्करों ने स्वीकार किया कि वे उत्तर प्रदेश से शराब खरीदकर बिहार में ऊंचे दामों पर बेचते हैं। आरपीएफ ने रेलवे एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर तस्करों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। आगे की जांच शुरू कर दी है।

मनकामेश्वर मंदिर में पैकेट या पॉलीथिन से नहीं चढ़ा सकेंगे दूध,सावन में होती है बहुत ज्यादा भीड़

प्रयागराज। 11 जुलाई से पवित्र सावन मास की शुरूआत हो रही है। ऐसे में प्राचीन मनकामेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की सबसे ज्यादा भीड़ होती है। मंदिर प्रबंधन की ओर से निर्णय लिया गया है कि श्रद्धालु पैकेट या पालीथिन से भगवान के शिवलिंग पर दूध नहीं चढ़ा सकेंगे। श्रद्धालुओं को अपने साथ कोई भी पात्र लाना होगा जिससे वह दूध भगवान भोले को चढ़ा पाएं। श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर के महंत श्रीधरानंद ब्रह्मचारी ने बताया कि इस व्यवस्था की शुरूआत की जा रही है। अमूमन देखा जाता है कि श्रद्धालु पैकेट का दूध खरीदकर लाते हैं और शिवलिंग पर चढ़ाते हैं लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। शास्त्रों में भी शिवलिंग पर जल चढ़ाने के लिए सोने, चांदी, पीतल या तांबे के पात्र का प्रयोग किए जाने का जिक्र है।प्रयागराज के यमुना नदी के तट पर स्थित प्राचीन मनकामेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं के कपड़े को लेकर भी अब नई व्यवस्था शुरू होने जा रही है। यहां अभिषेक करने के लिए श्रद्धालुओं को पैंट या जींस नहीं बल्कि धोती पहनना होगा। जबकि महिलाओं को साड़ी में अभिषेक करना होगा। यह नई व्यवस्था सावन महीने के पहले से दिन ही लागू होगी। श्री मनकामेश्वर मंदिर के महंत श्रीधरानंद ब्रह्मचारी ने बताया, यह नया नियम 11 जुलाई से लागू होने जा रहा है। पुरुष श्रद्धालु धोती के साथ शर्ट या कुर्ता पहन सकते हैं। महिलाओं को साड़ी या सूट सलवार में अभिषेक करना अनिवार्य होगा। सावन मास के बाद भी यही नियम हमेशा के लिए लागू रहेगा। इसी तरह पिछले साल ही मनकामेश्वर मंदिर में आदेश जारी किया गया था यहां आने वाले श्रद्धालु कटे फटे जींस आदि पहनकर नहीं आ सकते हैं।महंत श्रीधरानंद बताते हैं कि श्रद्धालुओं को धोती साथ लेकर आना होगा। यदि उनके पास धोती नहीं है या धोती नहीं लाते हैं तो मंदिर में ही उन्हें धोती उपलब्ध कराई जाएगी। इसे पहनकर ही श्रद्धालु को अभिषेक करना होगा। अभिषेक पूर्ण होने के बाद धोती मंदिर प्रशासन को लौटाना होगा।

सेंट्रल जेल पहुंचा अली की बुआ के नाम का पार्सल,कपड़े खाने का सामान मिले

प्रयागराज। नैनी सेंट्रल जेल में अतीक अहमद के बेटे अली के हाई सिक्योरिटी सेल में है। यहां कैश मिलने के मामले में दो अधिकारियों और एक कर्मचारी पर कार्रवाई होने के बाद भी मामला शांत नहीं हुआ है। अली को विशेष सुरक्षा कक्ष (2) फांसी घर में शिफ्ट करने के बाद एक बार फिर जेल प्रशासन की बड़ी चूक सामने आई है। जेल के अंदर अली के नाम पर पार्सल भेजा जा रहा है। यह पार्सल फ्लिप कार्ट से उसके किसी रिश्तेदार ने एक बार नहीं बल्कि तीन बार भेजा है। जेल मैनुअल के मुताबिक, किसी भी बंदी को उसके घर का सामान बिना चेकिंग के नहीं दिया जाता है। इसके अलावा जेल में चार स्थानों पर चेकिंग होने के बाद बंदी तक सामान पहुंचता है। हालांकि जेल में अली के पार्सल पहुंचने के मामले में जेल प्रशासन ने चुप्पी साध ली है। फिलहाल फ्लिप कार्ट से भेजे गए पार्सल की जांच डीआईजी जेल राजेश श्रीवास्तव कर रहे है।पार्सल पर लिखा था बुआ का नाम 16 जून को अली अपनी हाई सिक्योरिटी सेल में था। उस दिन उसकी अधिवक्ता मुलाकात आई थी। जिसमें अधिवक्ता आशुतोष पांडेय ने अली से मुलाकात की थी। उसी दिन अली अपनी सेल में कैश गिनते हुए सीसीटीवी में मुख्य कंट्रोल रूम से देखा गया था। बात यही खत्म नहीं होती, ठीक उसी दिन अली का पार्सल भी फ्लिप कार्ट से पहुंचा था। जिसमें खाने का सामान और कुछ कपड़े थे। उस पार्सल पर उसकी बुआ यानि अतीक अहमद की बहन शाहीन परवीन का नाम लिखा हुआ था। जेल के एक अधिकारी के मुताबिक अली का यह तीसरा पार्सल था। इससे पहले भी बुआ के नाम से पार्सल फ्लिप कार्ट से भेजा गया था।जेल के अंदर बंदियों को उनके परिवार से बात करने की सुविधा दी जाती है। अली ने भी अन्य बंदियों की तरह अपनी बुआ शाहीन परवीन और अपने भाइयों अहजम और अबान से बात करने के लिए आवेदन किया है। जिसके लिए पिछले कई महीनों से वेरिफिकेशन किया जा रहा है। उसकी एलआईयू जांच भी कराई जा रही है। जिसकी रिपोर्ट अभी तक नहीं लग सकी है। पीसीओ से बात करने के लिए बंदी अपने परिवार या किसी साथी का नंबर फार्म पर अंकित कर जमा कर सकते है। इसके लिए वेरिफिकेशन के जेल प्रशासन सप्ताह में दो दिन बात करने की अनुमति देता है।

मजूरी मांगने पर ठेकेदारों ने पीट-पीटकर मार डाला..! 'घर में शादी है, कर्ज चुकाना है इसलिए पैसों की सख्त जरूरत थी'

प्रयागराज। सोमवार को एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि उसने मजदूरी के 6 हजार रुपए मांग लिए थे। इससे नाराज होकर ठेकेदारों ने उसको लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया। वो कहने लगा कि मैंने तो अपने हक के रुपए मांगे हैं। मैंने जो काम किया है, उसके ही तो पैसे मांग रहा हूं। इस पर गुस्से में आकर उसे ज्यादा पीटा गया। इस दौरान उसकी तड़प-तड़प कर मौत हो गई।सूचना मिलने पर 2 थानों की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। परिजनों से बातचीत की। आरोपियों पर कार्रवाई करने का भरोसा दिया। घटनास्थल से फोरेंसिक टीम और पुलिस ने साक्ष्य जुटाए। क्राइम सीन को सील कर दिया गया है। मामला मऊआइमा थाना क्षेत्र का है। मृतक की पहचान मुझियारी जोगीपुर गांव के रहने वाले राम कैलाश (45) के रूप में हुई है। राम कैलाश पेंटिंग का काम करता था। परिवार में 3 बेटियां- पूनम, सोना और किरण हैं। तीनों की शादी हो चुकी है। उनके 2 बेटे सूरज और सुरजीत हैं। राम कैलाश मजदूरी करके अपना जीवन यापन करते थे।4 महीने पहले गांव के रोहित(35) और मोहित(58) पुत्र दौलत बिंद, राम कैलाश को नागपुर ले गए थे। यहां पर उससे पेंटिंग का काम कराया था। जिसकी मजदूरी 6 हजार रुपए बाकी थी। आज जब राम कैलाश ने अपनी बकाया मजदूरी मांगी, तो दोनों ठेकेदारों ने अभद्रता की। कहा कि किस बात के पैसे, मैं कोई पैसों के बारे में नहीं जानता। चले जाओ यहां से। लेकिन, वो बार-बार अपने पैसे मांगता रहा। इस पर राम कैलाश को इतना पीटा कि उसकी मौके पर मौत हो गई।पिता छोटेलाल बिंद ने बताया- राम कैलाश मेरे 4 लड़कों में सबसे बड़ा था। गांव के ही रोहित और मोहित उसे पेंटिंग के काम के लिए ले गए थे। वहां काम करने के बाद 6 हजार रुपए मजदूरी बनी थी। वो लोग बकाया पैसा नहीं दे रहे थे। कई बार उनसे कहा गया था। मांगने पर रोहित और मोहित ने मेरे बेटे को पीट-पीट कर मार डाला।बेटी सोना ने बताया- पिता जिन लोगों के पास काम करते थे, उनसे वो बीते दो महीने की बकाया पैसा मांग रहे थे। घर में शादी है, कर्ज चुकाना है, इसलिए पैसों की सख्त जरूरत थी। लेकिन, जब उन्होंने बार-बार मेहनताना मांगा, तो वहां मौजूद लोगों ने मारपीट शुरू कर दी।

प्रयागवासी 22 साल की युवती ने लखनऊ में किया सुसाइड

प्रयागराज। लखनऊ के चिनहट इलाके में टाटा एआईजी इंश्योरेंस कंपनी में काम करने वाली युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।सूचना पर पहुंची पुलिस टीम वीडियो बनाते हुए दरवाजे की सिटकिनी तोड़कर अंदर गई तो दुपट्टे के सहारे श्रेया का शव फंदे से लटकता मिला। वह लखनऊ में तिलहर शाहजहांपुर निवासी रजनी वर्मा के साथ रहती थी। रजनी कुछ दिन पहले गांव गई थी। वहां से सोमवार को लौटी थी। दरवाजा काफी खटखटाने पर भी नहीं खुला तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर किसी प्रकार का कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्च्युरी भेज दिया है। प्रयागराज निवासी श्रेया सिंह (22) पुत्री दीपक कुमार सिंह लखनऊ के विकल्प खंड में अमरदीप चौधरी के घर में किराए के मकान में रहती थी। श्रेया टाटा एआईजी इंश्योरेंस कंपनी में काम करती थी।

प्रयागराज में ऑटो चालक को गोली मारी, गंभीर:बाइक से आए थे 4 बदमाश

प्रयागराज। एक ऑटो चालक पर बदमाशों ने जानलेवा हमला किया है। हरखपुर शारदा सहायक नहर के पास दो बाइक पर सवार चार बदमाशों ने ऑटो चालक को गोली मार दी। पीड़ित की पहचान शिवराज मौर्य (45) के रूप में हुई है। वह प्रतापगढ़ जिले के जेठवारा थाना क्षेत्र के कटरा गुलाब सिंह के रहने वाले हैं। शिवराज रोजाना कटरा गुलाब सिंह से प्रयागराज तक सवारियां ढोते हैं। घटना सोमवार रात करीब 9 बजे की है। शिवराज जब प्रयागराज से वापस घर लौट रहे थे। हरखपुर शारदा नहर के पुल पर बदमाशों ने उनकी ऑटो रुकवाई। इसके बाद उन्होंने सीधे गोली चला दी। गोली लगते ही शिवराज ड्राइविंग सीट से नीचे गिर गए। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। शिवराज के गाल में गोली लगी है। उन्हें गंभीर हालत में स्वरूप रानी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर बदमाशों की तलाश में जुटी है।

सरकारी डॉक्टरों की शपथ-मैं प्राइवेट प्रैक्टिस नहीं करता,दूसरे के नाम से चला रहे अस्पताल, खुद कर रहे इलाज,अफसर भी लाचार

प्रयागराज। सरकारी अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टर्स अपना हलफनामा अपने अधिकारियों को दे रहे हैं। इसमें वह बयान कर रहे हैं कि वह प्राइवेट प्रैक्टिस नहीं करते हैं। लेकिन यह बयान सिर्फ कागजों तक ही सीमित है। प्रयागराज के 80फीसदी सरकारी डॉक्टर्स प्राइवेट प्रैक्टिस पर जोर देते हैं। सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर किसी और के नाम से अस्पताल चला रहे हैं जिसमें वह मरीजों को इलाज कर रहे हैं। पिछले दिनों ही स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में अव्यवस्थाओं व प्राइवेट प्रैक्टिस को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की थी। इसके बाद लखनऊ में शासन स्तर पर खलबली मची थी। प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य को

भी कोर्ट में खड़ा होकर जवाब देना पड़ा थे। ऐसे डाक्टरों की सूची तैयारी होने लगी जो प्राइवेट प्रैक्टिस कर रहे हैं। जो प्राइवेट अस्पतालों में इलाज कर रहे हैं। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के कई एचओडी व सीनियर डॉक्टरों के नाम शासन स्तर पर पहुंचे जो बड़े पैमाने पर खुलेआम प्राइवेट प्रैक्टिस करते हैं। जब शासन से कुछ अस्पतालों में नाम आए जहां सरकारी डॉक्टर प्राइवेट प्रैक्टिस करते हैं तो जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मांदड़ ने सख्ती की। उन्होंने एडीएम सिटी और सीएमओ को कुछ अस्पतालों में प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों को देखने के लिए भेजा। बालसन चौराहा व लोक सेवा आयोग चौराहे पर स्थित 2 अस्पतालों में छापेमारी के लिए यह दोनों अफसर पहुंचे भी लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। बाकी अस्पतालों की तरफ इन अफसरों ने देखा तक नहीं।

गंगा-यमुना का जलस्तर बढ़ा,महाकुंभ की टेंट सिटी वाले क्षेत्र में भरा पानी, 88 बाढ़ चौकियां अलर्ट पर

प्रयागराज। संगम नगरी में जहां महाकुंभ के दौरान संगम में इजाफा कर दिया है। बीते 24 घंटे में गंगा का जलस्तर फाफामऊ में था, अब पूरी तरह से जलमग्न हो चुका है। स्नान घाटों से लेकर तीर्थ

तंबुओं का शहर बसा था, लाखों श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा रहे थे।आज वहीं हर ओर पानी ही पानी नजर आ रहा है। गंगा और यमुना के संगम क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। घाट पर रहने वाले पंडे और दुकानदार अपना सामान समेट कर ऊपर की ओर जाने लगे है। इस स्थिति की सबसे बड़ी वजह है कानपुर बैराज से छोड़ा गया लगभग 2 लाख क्यूसेक पानी, जिसने प्रयागराज पहुंचते-पहुंचते गंगा-यमुना दोनों नदियों को उफान पर ला दिया है। साथ ही लगातार हो रही बारिश ने जलस्तर में और 10 सेंटीमीटर और छतनाग में 95 सेंटीमीटर बढ़ा है, जबकि नैनी में यमुना नदी 111 सेंटीमीटर चढ़ गई है। फाफामऊ में सुबह 8 बजे गंगा का जलस्तर 78.27 मीटर छतनाग में 76.36 मीटर नैनी में यमुना 77.02 मीटर दर्ज की गई है। हालांकि अभी खतरे का निशान पार नहीं हुआ है–जो कि 84.734 मीटर है–लेकिन जिस रफ्तार से पानी बढ़ रहा है, उसने प्रशासन की नींद उड़ा दी है। महाकुंभ के घाट अब जलमग्न संगम क्षेत्र में वो स्थान, जहां महाकुंभ के दौरान विशाल टेंट सिटी और अस्थायी नगर बसाया गया पुरोहितों के तख्त तक बाढ़ का पानी पहुंच चुका है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सिंचाई विभाग के कंट्रोल रूम से चौबीसों घंटे मॉनिटरिंग की जा रही है। जल पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें संगम क्षेत्र में तैनात कर दी गई हैं। जिले की 88 बाढ़ चौकियों को अलर्ट मोड में रखा गया है। घाट के दुकानदार, तीर्थ पुरोहित और स्थानीय लोग सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने लगे हैं। प्रशासन ने चेतावनी जारी की है कि लोग नदियों के किनारे न जाएं और अफवाहों पर ध्यान न दें।

दो बाइक की टक्कर एक युवक की मौत,एक माह पहले हुई थी शादी, परिवार में मातम का माहौल

प्रयागराज। थाना कौंधियारा एक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक

क्षेत्र के सेहरा चौराहे पर हादसे का शिकार हुए युवक के शव का पीएम किया गया। सोमवार शाम की मौत हो गई। मृतक की पहचान इकोनी खंडियान निवासी दीपक के रूप में हुई है। दीपक की शादी एक माह पहले ही हुई थी।यमुनानगर के सेहरा चौराहे पर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दीपक सड़क पर गिर गया और उसके सिर में चोट आई। राहगीरों ने एंबुलेंस बुलाकर उसे अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।दीपक खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। वह सात भाइयों में चौथे नंबर पर था। उसने 8वीं तक पढ़ाई की थी। हादसे की जानकारी परिवार को शाम 5 बजे आसपास के लोगों ने दी।कौंधियारा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घर में शादी के जश्न के बाद अब मातम छाया हुआ है।

कांवड़ यात्रा के लिए प्रयागराज में इंतजाम पूरे,12 जुलाई से शास्त्री पुल-हंडिया तक एक लेन कांवड़ियों के लिए रिजर्व,हैवी वेहिकिल को वैकल्पिक मार्ग

प्रयागराज। प्रयागराज में 12 जुलाई से शुरू होने जा रही वाले स्थानों पर गश्त और समय-समय पर चेकिंग करने के निर्देश लखनऊ से आने वाले वाहन ऊंचाहार, जौनपुर होते हुए

कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस आयुक्त श्री जोगेन्द्र कुमार ने रिजर्व पुलिस लाइंस स्थित त्रिवेणी सभागार में एक महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की। इसमें अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था, मुख्यालय, पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त और सभी थाना प्रभारियों ने भाग लिया। गोष्ठी में कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। सभी थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्रों में बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था, भीड़भाड़ दिए गए हैं। महिला सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता से हल करने को कहा गया है। डायवर्जन योजना लागू कांवड़ यात्रा को देखते हुए 12 जुलाई रात 11:55 बजे से 15 जुलाई रात 10 बजे तक यातायात डायवर्जन लागू किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सावन के विशेष पर्वों जैसे सोमवार, नागपंचमी, शिवरात्रि, रक्षाबंधन आदि पर भी डायवर्जन व्यवस्था लागू रहेगी। शास्त्री पुल से लेकर हंडिया (बरौत) तक सड़क की एक लेन कांवड़ियों के लिए आरक्षित की गई है। वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था कानपुर से वाराणसी जाने वाले वाहन फतेहपुर, रायबरेली, प्रतापगढ़ होकर भेजे जाएंगे। जाएंगे। चित्रकूट व रीवां की ओर से प्रयागराज आने-जाने वाले वाहन भी वैकल्पिक मार्गों से गुजरेंगे। सुरक्षा बल और व्यवस्था- जरूरी स्थानों पर पुलिस, होमगार्ड, 112 वाहनों और जल पुलिस की तैनाती सुनिश्चित की जा रही है। संगम, शिव मंदिरों व अन्य भीड़भाड़ वाले स्थलों पर विशेष सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे हैं। नो-एंट्री प्वाइंट चिन्हित कर दिए गए हैं और आवश्यक सेवाओं के वाहनों के लिए वैकल्पिक प्रवेश मार्ग निर्धारित किए गए हैं।प्रशासन का उद्देश्य है कि श्रद्धालु सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी धार्मिक यात्रा पूरी कर सकें।

मंत्री नंदी जी के पुनः प्राप्त जन्म उत्सव सप्ताह के उपलक्ष मे स्वास्थ शिविर

प्रयागराज/नैनी। उत्तर प्रदेश

सरकार के यशस्वी कैबिनेट मंत्री, व शहर दक्षिणी के लोकप्रिय विधायक माननीय नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' जी के पुनप्राप्त जन्मोत्सव सप्ताह मे सेवा सुशाशन संकल्प के अंतर्गत आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन मंत्री नंदी द्वारा नवनिर्मित विवाह घर मे किया गया (निकट नगर निगम जोन कार्यालय)। इस विशाल शिविर में योग्य चिकित्सकों की टीम द्वारा रोगों की जांच, परामर्श एवं आवश्यक दवाइयाँ निःशुल्क प्रदान की गयी। निम्नलिखित जांचें उपलब्ध कराई गयी- नेत्र जांच रक्तचाप डायबिटीज शुगर आयुष्मान कार्ड (70) वर्ष से ऊपर के व्यक्ति के लिए दवा वितरण आदि। स्वास्थ्य शिविर सुबह 10:30 से अनवरत दोपहर 3:30 तक जरूरतमंदों की सेवा मे सुचारु रहा, जिसमें की 250 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। भारतीय जनता पार्टी नैनी मंडल के पदाधिकारीयों ने शिविर को सफल बनाने में अपना अहम भूमिका निभाई। इस जनहित के कार्यक्रम में मुख्य रूप से नैनी मंडल अध्यक्ष रजत दुबे, पूर्व मंडल अध्यक्ष

हरिकिशन तिवारी, महामंत्री ओम प्रकाश मिश्रा, जिला प्रतिनिधि दिनेश सिंह पटेल, उपाध्यक्ष समर बहादुर सिंह, उपाध्यक्ष श्याम मिश्रा, सेक्टर संयोजक रवि मिश्रा, अभिषेक पांडे, पंकज तिवारी, अभिषेक तिवारी, आदित्य पांडे, सुरेश पटेल, नीरज शर्मा, अजय चौबे, शशांक पांडे, आदि सम्मानित कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे। स्वस्थ समाज की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है – आइए, इसका हिस्सा बनें।

स्क्रूटनी में 2090 परीक्षार्थियों के रिजल्ट संशोधित,प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय से 23 जनपदों का जारी किया गया रिजल्ट

प्रयागराज। यूपी बोर्ड ने 10वीं और 12वीं परीक्षा 2025 के स्क्रूटनी का रिजल्ट पांचों क्षेत्रीय कार्यालयों

से अलग-अलग घोषित है। यूपी बोर्ड के प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय के अपर सचिव कमलेश कुमार ने 23 जिलों का रिजल्ट घोषित किया है। उन्होंने बताया कि 10वीं की स्क्रूटनी के लिए 2316 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। स्क्रूटनी के बाद 373 परीक्षार्थियों के परिणाम संशोधित किए गए हैं, बाकी के यथावत रहे। अपर सचिव कमलेश कुमार ने बताया कि 12वीं में स्क्रूटनी के लिए 10001 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था, जिसमें से 1717 परीक्षार्थियों का रिजल्ट स्क्रूटनी के बाद संशोधित हुआ है, जो कि यूपी बोर्ड की वेबसाइट- www.upmsp.edu.in पर उपलब्ध है?। 2.80 लाख डीएलएड अभ्यर्थियों के रिजल्ट इसी सप्ताह डीएलएड के 2 अलग-अलग सत्रों की परीक्षा का रिजल्ट अगले सप्ताह घोषित होने जा रहा है। करीब 2.80 लाख अभ्यर्थियों का रिजल्ट आएगा। सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी अनिल भूषण चतुर्वेदी ने बताया कि डीएलएड के वर्ष-2022 के चतुर्थ सेमेस्टर में 90 हजार अभ्यर्थी हैं जबकि डीएलएड के वर्ष-2023 के द्वितीय सेमेस्टर में 1.90 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी है जिसका रिजल्ट तैयार हो रहा। इसी सप्ताह रिजल्ट घोषित होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि दोनों सत्रों का रिजल्ट एक साथ तैयार हो रहा है।

गंगा स्नान करने गए चार दोस्त डूबे,तीन युवकों को नाविकों ने बचाया, एक की हुई मौत

प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र के श्रृंगवेरपुर के पास रामचौरा गहरे पानी में समा चुका था। तीन घंटे मशक्कत के बाद अभिषेक का साथ नहाने के लिए रामचौरा घाट गया था। श्रृंगवेरपुर के करीब

घाट पर गंगा नदी में स्नान करते वक्त 28 साल के अभिषेक प्रजापति की डूबने से मौत हो गई। चार दोस्त रामचौरा घाट पर स्नान के लिए गए थे। नहाते वक्त तीनों गहरे पानी में समाने लगे। चीख पुकार मची तो आसपास के लोग बचाव में कूदे। शोर सुनकर नाविकों ने छलांग लगा दी। नाविकों ने दो दोस्तों को तो डूबने से बचा लिया लेकिन अभिषेक शव बरामद हो गया। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा है।नवाबगंज थाना क्षेत्र के भैरव का पुरवा कूड़ा गांव के रहने वाले शीतल प्रजापति का बेटा अभिषेक 28 अपने दोस्त आशीष प्रजापति पुत्र बृजलाल प्रजापति उम्र 26 वर्ष, सुधीर प्रजापति पुत्र दिनेश प्रजापति उम्र 24 वर्ष, सूरज सरोज पुत्र गब्बू उम्र 26 वर्ष के यह घाट काफी गहरा है। नहाते वक्त चारों दोस्त आगे की तरफ निकल गए।इसी बीच वह गहरे पानी में समाने लगे। चीख पुकार होने पर नाविकों ने पानी में छलांग लगाकर तीन दोस्तों को बचा लिया जबकि अभिषेक गहरे पानी में समा गया जिससे उसकी मौत हो गई। अभिषेक एक प्राइवेट दुकान में नौकरी करता था।

UPRTOU में एडमिशन शुरू,राज्यपाल के निर्देश पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए नया कोर्स

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र जुलाई 2025-26 की प्रवेश प्रक्रिया आज सोमवार को प्रारंभ हो गया है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने माउस दबाकर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ किया। उद्घाटन सत्र में स्पॉट एडमिशन लेने वाले एमजे प्रथम वर्ष के छात्र आवेश कुमार मौर्य को कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने पाठ्य सामग्री प्रदान की। आवेश कुमार ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री स्तरीय होने के कारण उन्होंने दूरस्थ शिक्षा से पढ़ाई करने का निर्णय लिया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से विश्वविद्यालय ने प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ताओं के लिए तैयार किए गए प्रमाण पत्र कार्यक्रम में निशुल्क शिक्षा की पहल की है। इसी कड़ी में उद्घाटन अवसर पर दो आंगनबाड़ी कवयित्रियों शकुंतला एवं पुष्पा पटेल को बाल विकास एवं पोषण शिक्षा प्रमाण पत्र कार्यक्रम में निशुल्क प्रवेश दिया गया।कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने नव प्रवेशित शिक्षार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी तथा सभी क्षेत्रीय समन्वयकों से अपील किया कि इस बार पिछले लक्ष्य से 25फीसदी अधिक लक्ष्य निर्धारित कर प्रवेश हेतु कार्य करें।

अतीक के रिश्तेदारों पर एक साथ 5 मुकदमे,साढू इमरान, जानू समेत कई पर केस

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड के बाद माफिया अतीक के जो रिश्तेदार पुलिस के पक्ष में नजर आ रहे थे, अब उन पर भी कार्रवाई शुरू हो गई है। जमीन कब्जों के मामलों में लगातार शिकायत के बाद पुलिस ने माफिया अतीक अहमद के साढू इमरान ज़ेई, उसके भाई जीशान उर्फ़ जानू और उनके

रिश्तेदारों पर शिकंजा कस दिया है। सभी के खिलाफ करेली थाने में एक साथ 5 केस दर्ज हुए हैं। सभी में वादी अलग अलग हैं। मामला अतीक की कुर्क जमीनों को बेचने से जुड़ा है। माफिया अतीक के ये रिश्तेदार अतीक से खुद को पीड़ित बताते रहे हैं। उमेश पाल हत्याकांड के बाद एक गुट पुलिस के साथ मिल गया था। इसके बाद लगातार अतीक करीबियों पर केस दर्ज हुए। अब मामला उलटा पड़ गया है। ऊपर से निर्देश के बाद अब कार्रवाई शुरू हो गई है। एक साथ पांच मुकदमों के वादी शकील अहमद, ज़िया तारिक अंसारी, नाजमीन बानो, फ़िरोज़ बानो, रुखसार कुरैशी हैं। धोखाधड़ी कर फर्जी जमीन बेचने के आरोप लगे हैं। जमीन के नाम पर धोखाधड़ी और जालसाजी की गई।शिकायतकर्ता मो. शकील का आरोप है कि उसने 21 सितंबर 2022 को मो. रेहान अंसारी पुत्र खुसीद अहमद, निवासी करेली से अपने बेटे मो. सारीक सिद्दीकी के नाम पर आराजी संख्या 21/1, रकबा 0.2250 हेक्टेयर, मौजा ऐनुद्दीनपुर, में 50 वर्ग गज जमीन खरीदी थी।शकील का कहना है कि उन्होंने उस जमीन पर मकान बनाकर रहना भी शुरू कर दिया लेकिन बाद में उन्हें स्थानीय लोगों से पता चला कि असल में जो जमीन उन्हें दिखाई गई और रजिस्ट्री करवाई गई वह आराजी दूसरी है।शकील अहमद ने आरोप लगाया कि इमरान, कामरान, जीशान उर्फ जानू, उसकी मां जाहिदा और अन्य साथियों ने मो. रेहान अंसारी के साथ मिलकर जालसाजी की और फर्जी दस्तावेज तैयार कर उन्हें धोखा दिया।इसी प्रकार ऐनउद्दीनपुर में बसे अन्य परिवार ने भी अतीक के साढू और रिश्तेदारों पर फर्जीवाड़ा करने, गुंडई करने, जबरन मकान कब्जा करने का आरोप लगाया है।

पत्रकार एसोसिएशन की बैठक में विरोध,प्रयागराज में 5 पत्रकारों पर बिना कारण मुकदमा दर्ज,राज्यपाल को भेजेंगे ज्ञापन

प्रयागराज।हिलौली ब्लॉक

सभागार में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक्स पत्रकार एसोसिएशन की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता शीतल प्रसाद ने की। बैठक में प्रयागराज में 5 पत्रकारों पर बिना कारण दर्ज किए गए मुकदमों का सर्वसम्मति से विरोध किया गया। अध्यक्ष शीतल प्रसाद ने कहा कि सरकार और अधिकारियों का रवैया दोहरा है। एक ओर वे पत्रकारों के सम्मान की बात करते हैं। दूसरी ओर बिना कारण मुकदमे दर्ज कर रहे हैं। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस मामले में राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक में राजेंद्र सिंह, राजेश चौधरी, रामबाबू, राजेश यादव, गौरी सिंह, राजेश पांडेय, रंजीत शर्मा और साहित्य शुक्ला समेत कई पत्रकारों ने अपने विचार रखे। इस दौरान संतोष शुक्ला, महेश सहित 6 नए पत्रकारों को संगठन की सदस्यता दी गई।

युवक की ट्रेन से कटकर मौत-प्रयागराज में हावड़ा रेल रूट पर मिला शव, दो दिन से था बिना बताए लापता

प्रयागराज। प्रयागराज के यमुना नगर में हावड़ा रेल मार्ग पर कंपनी में काम करता था। करछना पुलिस ने मौके से मृतक का मोबाइल

25 वर्षीय युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान सूरज के रूप में हुई है। वह गुजरात की एक निजी फोन बरामद किया। इससे उसकी पहचान में मदद मिली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के पिता अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि सूरज तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। वह एक सप्ताह पहले ही गुजरात से कमाकर घर लौटा था। घर आने के बाद वह गलत संगत में पड़ गया था। उसके दोस्तों ने उसे शराब की लत लगा दी थी। सूरज पिछले दो दिनों से बिना किसी को बताए घर से गायब था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। मंगलवार सुबह रेलवे लाइन के पास उसका शव मिलने की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

विश्विद्यालय कुलपति ने कहा-2 दिन के अंदर शुरू हो क्लॉस, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में कुलपति ने की सभी एच.ओ.डी के साथ बैठक

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सीनेट टाइम टेबल के हिसाब से संचालित की जाएंगी।

परिसर स्थित नॉर्थ हाल में आज सोमवार को सभी संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव ने की। विश्वविद्यालय ग्रीष्मावकाश के बाद खुलने का आज पहला दिन रहा। कुलपति ने कहा कि नए सत्र में प्रवेश की प्रक्रिया शीघ्र शुरू हो जाएगी और उन्होंने निर्देश दिए कि स्नातक के द्वितीय तथा तृतीय वर्ष और परास्नातक के द्वितीय वर्ष की कक्षाएं 2 दिन के अंदर शुरू कर दी जाएं। सभी कक्षाएं फिलहाल पिछले वर्ष के बैठक में कुलपति ने इस बात पर जोर दिया कि सभी परिसरों एवं विभागों की साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए और सभी विभागों में बुलेटिन बोर्ड लगाए जाएं जिसमें छात्रों से जुड़ी जानकारी दी जाए, विभाग के शिक्षकों एवं पुरा छात्रों के नाम प्रमुखता से लिखे जाएं और विभागों का सुंदरीकरण किया जाए।बैठक में सभी संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों के अलावा कुलसचिव प्रो. आशीष खरे, वित्त अधिकारी डॉ. हिमांशु श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा नोएडा महानगर में 'सेवा सप्ताह' का सफल आयोजन

नोएडा। विश्व हिंदू परिषद, नोएडा महानगर इकाई ने बजरंग

दल के तत्वावधान में 1 जुलाई से 7 जुलाई तक 'सेवा सप्ताह' का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस सप्ताह भर चले कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में सकारात्मक संदेश फैलाना और विभिन्न सेवा कार्यों के माध्यम से सामुदायिक कल्याण में योगदान करना था। नोएडा महानगर के मंत्री दिनेश महावर ने बताया कि इस 'सेवा सप्ताह' के दौरान कई महत्वपूर्ण गतिविधियों का संचालन किया गया। इनमें बड़े पैमाने पर पौधरोपण अभियान, विभिन्न मंदिरों की सफाई और रखरखाव, और आम जनता के लिए चिकित्सा शिविरों का आयोजन शामिल था। इन कार्यक्रमों का आयोजन नोएडा महानगर के सभी प्रखंडों में किया गया, जिसमें स्थानीय कार्यकर्ताओं और समाज के प्रमुख लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नोएडा महानगर अध्यक्ष बहन छाया सिंह ने की। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश देना परिषद का मुख्य उद्देश्य है।' उन्होंने कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की और परिषद के सेवा भाव को रेखांकित किया। बजरंग दल, नोएडा महानगर के संयोजक सुमित यादव ने पूरे 'सेवा सप्ताह' का कुशल संचालन किया। कोषाध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को परिषद के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी और उन्हें सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। प्रचार प्रमुख राहुल दुबे जी ने बताया कि यह 'सेवा सप्ताह' विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की समाज सेवा और सामुदायिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस सफल आयोजन में उपाध्यक्ष सत्यवीर जी, सह मंत्री राजीव जी और प्रवेश जी, धर्म प्रसार प्रमुख जितेंद्र जी, विधि प्रकोष्ठ प्रमुख विपुल जी, मठ मंदिर प्रमुख विनोद चौहान जी, सत्संग प्रमुख विष्णु जी, प्रचार प्रमुख राहुल जी, प्रकाश जी, श्यामवीर जी, अजय जी, रवि जी सहित पूरी महानगर कार्यकारिणी, मातृ शक्ति, दुर्गावाहिनी, प्रखंड कार्यकर्ता और समाज के कई वरिष्ठ एवं प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय समिति की बैठक संपन्न,पटरी दुकानदारों की खाद्य सामग्री की भी करें जांचःएडीएम

रायबरेली। जन सामान्य को सुरक्षित और गुणवत्तापरक खाद्य सामग्री और औषधी की उपलब्धता

सुनिश्चित कराने के लिए अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय समिति की बैठक कलेक्ट्रट सभागार में हुई।बैठक में असुरक्षित व अधोमानक खाद्य सामग्री तथा नकली दवाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। एडीएम न्यायिक ने गुणवत्तापरक खाद्य पदार्थ और औषधि के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए स्वैच्छिक संगठनों का भी सहयोग लिया जाए। शासन स्तर पर चलाए जाने वाले अभियानों की समीक्षा भी की जाए। एडीएम न्यायिक ने दूध विक्रेताओं और दूध डेरियों पर भी जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित खाद्य सुरक्षा विक्रेताओं ने भी कहा कि फास्ट फूड और अत्यधिक तेल मसाला वाली खाद्य सामग्री की भी समय-समय पर जाँच कराई जाए। क्योंकि इससे बच्चे और युवा वर्ग अत्यधिक प्रभावित होता है। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि इसके लिए स्ट्रीट वेंडर खाद्य सामग्री की भी जांच कराई जाए। देखा जाए कि खाद्य सामग्री में मानक के अनुसार तेल,मसाले और घी का प्रयोग किया जा रहा है के नहीं। औषधि प्रशासन की बैठक करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि सभी मेडिकल स्टोरों और फार्मा कंपनियों की भी समय समय पर जांच कराई जाए। मानक के विपरीत दवाओं को बेचने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही ब्लड बैंकों की सैंपलिंग भी कराई जाए। बैठक में डीडीओ दिनेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव सिंह, एसीएमओ डॉक्टर अशोक कुमार,बाल एव पुष्टाहार विभाग से सुरेंद्र कुमार, जिला उद्यान अधिकारी जयराम वर्मा, मंडी सचिव प्रेमचंद सरोज, सीईओ मत्स्य इरफानुल्लाह खान, जिला पूर्ति अधिकारी अब्दुर्रहमान खान, व्यापार मंडल से अतुल कुमार गुप्ता, महेंद्र अग्रवाल, सुरेंद्र वर्मा, हरीश अवस्थी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

थाना फेस 2 पुलिस द्वारा 25000 रूपये का ईनामिया अभियुक्त गिरफ्तार

नोएडा। थाना फेस 2 पुलिस द्वारा पंजीकृत मु0अ0सं0 282/2025 धारा 191(2)/190/109(1)/333/

3(5) बीएनएस से सम्बन्धित 25,000 रूपये इनामिया/वांछित अभियुक्त दीपक कुमार पुत्र राजपाल निवासी ग्राम समय पुर थाना सै0 58 जनपद फरीदाबाद हरियाणा हाल पता ग्राम इलाहाबास थाना फेस -2 गौतमबुद्धनगर को डीएनडी केएमपी एक्सप्रेसवे के नीचे तिगाव कट के पास फरीदाबाद हरियाणा के पास से गिरफ्तार किया गया है। अपराध का विवरण- दिनांक 15.06.2025 को अभियुक्त दीपक द्वारा अपने सह अपराधियो के साथ मिलकर एक राय होकर मुकदमा उपरोक्त के वादी व उसकी माँ व उसके परिजन के साथ घर में घुसकर उनके साथ लाठी डन्डो व ईंट पत्थरो से मारपीट कर गम्भीर रूप से घायल कर देना तथा उसके सह अपराधी गोल्डी द्वारा जान से मारने की नियत से पिस्टल से फायरिंग करना जिसके सम्बन्ध में थाना फेस 2 गौतमबुद्धनगर पर मु0अ0सं0 282/2025 धारा 191(2)/190/109(1)/333/3(5) बीएनएस पंजीकृत है। अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लगातार प्रयास किये जा रहे है। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- दीपक पुत्र राजपाल निवासी ग्राम समयपुर थाना सैक्टर 58 जिला फरीदाबाद उम्र करीब 30 वर्ष, शिक्षा दृ कक्षा - 10जी तक अभियुक्त दीपक का अपराधिक इतिहास- 1. मु0अ0सं0 144/2016 धारा 376/450/506 भा0द0वि0 महिला थाना, जनपद फरीदाबाद, हरियाणा 2. मु0अ0स0 349/2025 धारा 25/54/59 आर्म्स एक्ट थाना सैक्टर 58 जनपद फरीदाबाद, हरियाणा 3. मु0अ0सं0 282/2025 धारा 191(2)/190/109(1)/333/3(5) बीएनएस थाना फेस 2, गौतमबुद् नगर।

मुख्य विकास अधिकारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राज्य को 1 ट्रिलियन डॉलर की

अर्थव्यवस्था बनाए जाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के जनपद में माह जुलाई 2025 से अनियमित क्षेत्र के उद्योगों का सर्वेक्षण कराया जा रहा है यह सर्वेक्षण राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय,एमओएसपीआई भारत सरकार द्वारा निर्धारित पद्धतियों तथा मार्गदर्शन में कराया जा रहा हैत एएसयूएसई सर्वेक्षण में भी निर्माण व्यापार तथा सेवा क्षेत्र के अनुच्छेद उद्योगों से महत्वपूर्ण सूचनाओं यथा ग्रास वैल्यू एडेड पर एंटरप्राइज ग्रॉस वैल्यू एडेड पर वर्कर आदि एकत्र की जाएगी इन सर्वेक्षणों से प्राप्त अनुमानों का प्रयोग जिला घरेलू उत्पाद डीपीपी के तैयार करने में किया जाएगा जो राज्य हेतु नीति निर्माण में अत्यंत उपयोगी होंगे। यह सर्वेक्षण जनपद स्तर पर जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी तथा मंडल स्तर पर उपनिदेशक अर्थ एवं संख्या की देखरेख में कराया जा रहा हैत उक्त सर्वेक्षण हेतु सुपरवाइजर एवं सर्वेक्षणकर्ता का प्रशिक्षण विकास भवन स्थित सरस सभागार में 7 जुलाई 2025 से 9 जुलाई 2025 के बीच आयोजित किया गया है। उक्त प्रशिक्षण का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा पर्यवेक्षक एवं सर्वेक्षणकर्ता को पूरी निष्ठा से कार्य करने की सलाह दी गई। उक्त प्रशिक्षण में प्रभारी उपनिदेशक अर्थ एवं संख्या श्री संतोष कुमार, मंडलीय अर्थ एवं संख्या अधिकारी श्री जितेंद्र कुमार, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी प्रतापगढ़ सुश्री प्रियंका, अर्थ एवं संख्या अधिकारी प्रयागराज श्री नीरज कुमार एवं प्रशिक्षणकर्ता राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय प्रयागराज के वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी श्री मनीष एवं श्री कुलदीप कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

137 सी0टी0एफ0 बटालियन आर्मी 39 गोरखा राइफल के द्वारा वन महोत्सव का किया गया आयोजन जिसमे लगाए गए एक हजार पौधे

प्रयागराज। 137 सी0टी0एफ0 बटालियन (टेरिटोरियल)आर्मी 39

गोरखा राइफल ने मुख्यालय पूर्वी यूपी एमपी सब एरिया के अंतर्गत दिनांक 7 जुलाई 2025 को प्रयागराज में वन महोत्सव 2025 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में ब्रिगेडियर रोवी कपूर स्टेशन कमांडर मिलिट्री स्टेशन प्रयागराज के अलावा मिलिट्री स्टेशन प्रयागराज के 15 अधिकारी 12 जूनियर कमीशन अधिकारी और 110 अन्य रैंक शामिल हुए इसके अलावा केंद्रीय विद्यालय न्यू कैन्ट आर्मी पब्लिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, इलाहाबाद पब्लिक स्कूल और एनसीसी के 155 बच्चे भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। स्टेशन कमांडर ने सभी रैंक और बच्चों को संबोधित करते हुए वन महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डाला और गंगा टास्क फोर्स की भी सराहना की जिन्होंने वृक्षारोपण पर्यावरण अनुकूल अभ्यास और स्थानीय लोगों में जागरूकता बढ़ाने के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में अथक प्रयास किए हैं।कार्यक्रम का समापन वृक्षारोपण अभियान के साथ हुआ जिसमें स्टेशन कमांडर साहब अधिकारी गण, जूनियर का कमिशन अधिकारी अन्य रैंक और बच्चों ने 1000 पौधे लगाए।

जनपद में फास्फेटिक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता

प्रयागराज। जनपद को मिली 1644 मै0टन फास्फेटिक उर्वरक की रैक, समितियों के माध्यम से कराया जायेगा वितरण वर्तमान में खरीफ सीजन की बुवाई के दृष्टिगत पी0ओ0एस0 के माध्यम से सम्बन्धित कृषकों का अगूठा लगवाकर वितरण का कार्य निरन्तर कराया जा रहा है। वर्तमान में जनपद में यूरिया 52000 मै0टन,

डी0ए0पी0 6581 मै0टन, एन0पी0के0 14363 मै0टन, एस0एस0पी0 6372 मै0टन उर्वरक उपलब्ध है। जनपद में संचालित कुल 211 साधन सहकारी समितियों में से 195 समितियॉ क्रियाशील है, जिनमें 80 साधन सहकारी समितियों में प्राप्त होने वाली रैक से उर्वरक की आपूर्ति की जा रही है। शेष समितियों पर फास्फेटिक उर्वरक पहले से ही उपलब्ध है। जिला कृषि अधिकारी के के सिंह द्वारा समस्त थोक एवं फुटकर उर्वरक बिक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य पर बिक्री अथवा उर्वरक के साथ अन्य उत्पाद की टैगिंग की शिकायत प्राप्त होने पर उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 के तहत सम्बन्धित बिक्रेता के विरूद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जायेगी।

किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने हेतु जनपद को 1644 मै0टन फास्फेटिक उर्वरक की रैक मिल गयी है। जिला कृषि अधिकारी, प्रयागराज के के सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि शासन के निर्देशानुसार जनपद में निजी क्षेत्र को प्राप्त होने वाली उर्वरक रैक से 40 प्रतिशत उर्वरक सहकारिता क्षेत्र को उपलब्ध कराते हुये, साधन सहाकारी समितियों के माध्यम से वितरण का कार्य कराया जा रहा है। निजी क्षेत्र के आई0पी0एल0 कम्पनी द्वारा आपूर्तित कुल 2594 मै0टन के रैक से इस जनपद को प्राप्त 1644 मै0टन फास्फेटिक उर्वरक में से 1035 मै0टन सहकारिता क्षेत्र में एवं 609 मै0टन निजी क्षेत्र में उर्वरक की आपूर्ति कराते हुये, किसानों को उनकी जोत के आधार पर

नहर में मिली 21 साल के युवक की लाश,बहन के घर से लौटते वक्त हुई मौत, शरीर पर चोट के निशान,हत्या की आशंका जताई

प्रयागराज। बारा थाना क्षेत्र

के चदैया बारी गांव की नहर में 21 वर्षीय शुभम बिंद का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शुभम अपनी बहन के घर रिंगवा गांव गया था। वह मौसी के बेटे अनिल के साथ शाम को ही वापस लौट गया था। बहन गंगा देवी ने बताया कि शुभम और अनिल शाम को घर से निकल गए थे। सुबह गांव वालों ने नहर में शव को तैरते देखा। मृतक के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। शुभम दो भाइयों में छोटा था और कुछ दिन पहले मुंबई से घर आया था। बारा पुलिस ने शव को नहर से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत के कारणों का पता चलेगा। परिजनों का कहना है कि शुभम की किसी से दुश्मनी नहीं थी। वह मिलनसार स्वभाव का था। उसकी अचानक मौत और शव का नहर में मिलना संदेह पैदा करता है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। कॉल डिटेल्स खंगाली जा रही हैं। अनिल समेत अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है। बारा थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों और मृतक के परिजनों ने पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

यूपी के एसीपी ने अमेरिका में रचा इतिहास,वर्ल्ड पुलिस फायर गेम्स में रनिंग और शूटिंग में जीता सिल्वर मेडल

प्रयागराज। प्रयागराज कमिश्नरेट

में तैनात एसीपी वरुण कुमार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने अमेरिका में आयोजित वर्ल्ड पुलिस फायर गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता के रनिंग और शूटिंग इवेंट में उन्होंने सिल्वर मेडल हासिल किया।इस उपलब्धि से न केवल भारत का नाम विश्व स्तर पर रोशन हुआ है, बल्कि उत्तर प्रदेश पुलिस को भी अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। एसीपी वरुण कुमार की यह जीत प्रयागराज पुलिस के लिए गौरव का क्षण है। एसीपी वरुण सिंह प्रयागराज में एसीपी करछना के पद पर है। उन्होंने अपने कार्यों को बखूबी निभाया है। यमुनापार के अपने सर्किल में विभाग के साथ आम जनता को समझने का साथ किसी भी समस्या का निराकरण बड़े ही सरलता से किया है।वरुण कुमार ने अपने कार्यक्षेत्र में विभागीय जिम्मेदारियों के साथ-साथ आम जनता की समस्याओं का भी समाधान करते रहे है। उनकी कार्यशैली सरल और प्रभावी मानी जाती है।

स्कूलों बंद करने के विरोध में समाजवादी छात्र सभा का प्रदर्शन

सोनभद्र। समाजवादी छात्र सभा के महासचिव एवं पूर्व छात्र

संघ अध्यक्ष हिमांशु यादव के नेतृत्व में राज्यपाल उत्तर प्रदेश सरकार के नाम ज्ञापन जिला अधिकारी प्रतिनिधि को सौंपा गया । समाजवादी छात्र सभा के जिला महासचिव एवं पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष हिमांशु यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा लगभग 5000 सरकारी प्राइमरी स्कूल बंद किया जा रहा है । जबकि उसमें पढ़ने वाले अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, अल्पसंख्यक, आदिवासी, गरीब, किसान के बच्चों को उन स्कूलों में विलय करने की नीति पर काम कर रही है जिसका उन बच्चों पर बहुत ही प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है । ऐसी स्थिति में बच्चों की पढ़ाई बाधित हो सकती है जो की दुर्भाग्यपूर्ण है ।भाजपा सरकार के द्वारा नौकरी खत्म करना और बच्चों को शिक्षा से वंचित करना उनके मौलिक अधिकारों का हनन करना है जिसको हर हाल में रोका जाए । सर्व शिक्षा अभियान के तहत सभी पढ़े सभी बढ़े के अनुसार सरकार काम करें । अन्यथा की स्थिति में समाजवादी छात्र सभा पूरे प्रदेश में व्यापक आंदोलन करने के बाध्य होगी जिसकी सारी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी । समाजवादी छात्र सभा के जिला उपाध्यक्ष शाहिद अफरीदी और धीरेंद्र यादव ने कहा कि जब से केंद्र व प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है तब से हर वर्ग के गरीबों के बच्चों के साथ अन्याय कर रही है जिसे समाजवादी पार्टी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। बच्चों के हित के लिए जन आंदोलन करने के लिए तैयार है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजवादी छात्र सभा के जिला सचिव राहुल यादव एवं विवेक कुमार ने कहा कि भाजपा सरकार हर वर्ग के गरीब बच्चों के साथ अन्याय कर रही है जिसे समाजवादी छात्र सभा कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से योगेश वर्मा विमलेश कुमार सुनील कुमार सनी कुमार अमन विश्वकर्मा अंकित विश्वकर्मा आशु मद्धेशिया के साथ दर्जनों छात्र सभा के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हंडिया में भाजपा नेता ने मां के नाम से लगाया पौधा, अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

प्रयागराज। हंडिया कस्बे में पर्यावरण संरक्षण की एक अनूठी पहल

सामने आई है। वार्ड नंबर 1 स्थित अंबेडकर पार्क में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के क्षेत्रीय मंत्री सैफुल अब्बास ने अपनी मां के नाम का एक पौधा लगाया। इस अवसर पर उन्होंने पार्क में स्थित बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। साथ ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय को भी श्रद्धांजलि दी। सैफुल अब्बास ने कहा कि गर्मी और हीट वेव से बचाव के लिए हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाना जरूरी है। उन्होंने बताया कि पौधों के विकास और संरक्षण से पर्यावरण प्रदूषण में कमी आएगी। इससे धरती पर हरियाली बढ़ेगी और जनजीवन सामान्य होगा। उत्तर प्रदेश सरकार की पर्यावरण संरक्षण योजना के तहत सैफुल अब्बास क्षेत्र में पेड़-पौधों के संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान चला रहे हैं। वे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।कार्यक्रम में युवा भाजपा नेता डॉक्टर रिंकू जॉन, पप्पू गौतम, संजीव कुमार, आशीष कुमार, धनी प्रजापति, रामपति और संतलाल सहित कई लोग उपस्थित रहे।

बारा विधायक ने किसानों को दिए उन्नत बीज,शंकरगढ़ में बीज वितरण कार्यक्रम, किसानों की समस्याएं सुनीं

प्रयागराज। बारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. वाचस्पति ने मंगलवार को शंकरगढ़ में किसानों से मुलाकात की। राजकीय बीज भंडार में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने सैकड़ों किसानों को धान और अन्य फसलों के उन्नत बीज वितरित किए। कृषि विभाग ने कार्यक्रम में विशेष जागरूकता शिविर लगाया। अधिकारियों ने किसानों को बीज बोने, खाद और सिंचाई के उचित प्रबंधन की जानकारी दी। विधायक ने किसानों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया। डॉ. वाचस्पति ने बताया कि क्षेत्र में सिंचाई व्यवस्था, सोलर पंप योजना और मिट्टी परीक्षण केंद्र की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकारें किसानों के उत्थान के लिए काम कर रही हैं। कार्यक्रम में कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक और ग्राम प्रधान मौजूद रहे। अधिकारियों ने बीज भंडारण, रोग प्रबंधन और फसल विपणन पर मार्गदर्शन दिया। किसानों ने समय पर बीज मिलने पर संतोष व्यक्त किया। विधायक ने किसानों को अच्छे उत्पादन की शुभकामनाएं दीं और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

म्योरपुर पुलिस ने अन्तर्रजनपदीय दो गांजा तस्करों को किया गिरफ्तार,एक कार से कुल 64 किलो 100 ग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले तस्करों के विरुद्ध सोनभद्र पुलिस के निरन्तर प्रहार की कड़ी में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी व क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के पर्यवेक्षण में रविवार को थाना प्रभारी म्योरपुर क्षेत्र में भ्रमणशील थे कि तभी थाना बभनी से सूचना मिली कि थाना बभनी क्षेत्रान्तर्गत एक इनोवा कार द्वारा एक्सिडेन्ट करके म्योरपुर की तरफ निकली है जिस पर थाना प्रभारी म्योरपुर मय टीम द्वारा समय लगभग 1.10 बजे बघमन्दवा में सड़क किनारे जंगल से घेराबन्दी कर उक्त इनोवा कार से उड़ीसा प्रान्त से गांजा लोड़ करके प्रयागराज ले जा रहे दो बोरियों में कुल 64 किलो 100 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा (अनुमानित कीमत 12 लाख 82 हजार रुपये) के साथ 02 नफर अन्तर्रजनपदीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया गया । इस बरामदगी व गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना म्योरपुर पर बीएनएस का अभियोग पंजीकृत कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-- शक्ति कुमार गोस्वामी पुत्र नवीन कुमार गोस्वामी निवासी 6/440ईडब्लूएस विकास कॉलोनी झूंसी थाना झूंसी जनपद प्रयागराज , वही प्रवीण कुमार पुत्र फुलचन्द यादव निवासी वार्ड नं0-52 नियर गुड्डू लॉज थाना झूंसी जनपद प्रयागराज को पुलिस ने किया गिरफ्तार। गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाले पुलिस टीम में थानाध्यक्ष कमल नयन दूबे थाना म्योरपुर, उ0नि0 मनोज कुमार सिंह चौकी प्रभारी लिलासी , अतुल कुमार , प्रदीप कुमार राय , सोनू भारती , संदीप पाल , अनिल कुमार।

समाजवादी पार्टी कार्यालय पर मासिक बैठक संपन्न

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक जिला पार्टी कार्यालय सोनभद्र पर की गई । बैठक की अध्यक्षता पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने किया और संचालन जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि हम सबसे पहले आरती मौर्या के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं का जोरदार स्वागत करते हैं कहां कि आप लोगों के आने से समाजवादी पार्टी अधिक मजबूत हुई है । राम निहोर यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के एक-एक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि जनपद सोनभद्र के हर बूथ पर जाकर समाजवादी पार्टी के नीतियों को बताने का काम करें और संगठन को मजबूत करने का काम करें जिससे आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को जनपद सोनभद्र से ऐतिहासिक जीत हासिल हो सके इसी साथ स्नातक एमएलसी चुनाव को देखते हुए मतदाताओं का नाम बढ़ाने का काम करें । बैठक को संबोधित करते हुए लोकसभा क्षेत्र 80-रावटसगंज के सांसद छोटेलाल सिंह खरवार ने कहा कि भाजपा सरकार आने वाले पीढ़ी से शिक्षा का अधिकार छिनना चाहती है । इसलिए उसने जानबूझकर शिक्षा को महंगी करने की साजिश की है। गरीबों के सामने रोटी रोजगार के अभाव के कारण बच्चों को पढ़ना मुश्किल हो रहा है। पढ़ाई से वंचित बच्चों की संख्या लाखों में है । इसलिए हम समाजवादी पार्टी की जिम्मेदारी है कि हम लोग आदिवासी बनवासी गरीब मजदूर की लड़ाई हर गांव में जाकर लड़ने का काम करें जिससे समाजवादी पार्टी को मजबूती मिल सके ।बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व विधायक पूर्व जिला अध्यक्ष अविनाश कुशवाहा एवं पूर्व विधायक रमेश चंद दुबे ने कहा कि भाजपा सरकार हर गरीब तबके के लोगों को शिक्षा से वंचित करना चाहती है, लेकिन हम समाजवादी पार्टी के एक-एक सिपाही की जिम्मेदारी है कि भाजपा के इस नीति को सफल नहीं होने देंगे ।बैठक में मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी की सदस्यता लेने वालों में आरती मौर्या कंचन मौर्य गिरिजा देवी चंद्रावती देवी अशोक पाल विजय कुमार सोनकर संतोष भारती राजेश पाल रणजीत मौर्य कमलेश मौर्य राजनाथ प्रकाश सिंह कुशवाहा चंद्रशेखर सिंह दिनेश कुमार रमेश चंद सुरेंद्र धनंजय राम अवध मौर्य रामवचन मौर्य अरविंद कुशवाहा ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया। बैठक को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम बिहारी यादव संजय यादव विजय यादव पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनिल कुमार यादव जिला उपाध्यक्ष वेदमानी शुक्ला रमेश सिंह यादव अशोक पटेल त्रिपुरारी गौड़ सरदार पारब्रह्म सिंह डॉक्टर लोकपति सिंह पटेल रमेश कुमार वर्मा कुमारी मंदाकिनी पांडे रवि कुमार गौड़ मन्नू पांडेय बाबूलाल यादव गीता गौर कृपा शंकर चौहान बबलू धागर मनीष त्रिपाठी लाल बहादुर पाल नीतीश पटेल राकेश कुमार जनार्दन चौहान निधि पांडे प्रेम शंकर सिंह के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

दोषी चंपा देवी को 5 वर्ष की कैद,5 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर 15 दिन की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी,जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी

सोनभद्र। करीब साढ़े 7 वर्ष पूर्व 15 वर्षीय नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर भगाने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट अमित वीर सिंह की अदालत ने सोमवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी चंपा देवी को 5 वर्ष की कैद एवं 5 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर 15 दिन की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 3 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक चोपन थाना क्षेत्र स्थित एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने चोपन थाने में 18 फरवरी 2018 को दी तहरीर में आरोप लगाया था कि उसकी 15 वर्षीय नाबालिग बेटी को 15 फरवरी 2018 को 11 बजे दिन पप्पू पुत्र रामजियावन निवासी पटवध,बिरनखाड़ी, थाना चोपन, जिला सोनभद्र बहला फुसलाकर भगा ले गया। जब पप्पू के पिता रामजियावन से इस संदर्भ में पूछताछ किया तो वे उल्टी सीधी बात करते हुए मारने की धमकी देने लगे। 16 फरवरी 2018 को सुबह 10 बजे बेटी ने फोन किया और बताया कि गोपीगंज में हूं और फोन कट गया। जब दुबारा फोन किया गया तो बताया गया कि लड़की यहां है और लेकर आने वाला छोड़कर भाग गया है। इस तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दिया और पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में पप्पू पुत्र रामजियावन व चंपा देवी पत्नी पप्पू निवासी पटवध, थाना चोपन, जिला सोनभद्र के विरूद्ध चार्जशीट विवेचक ने दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्को को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी चंपा देवी को 5 वर्ष की कैद एवं 5 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 15 दिन की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वही अर्थदंड की धनराशि में से 3 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। वहीं आरोपी पप्पू को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया गया। अभियोजन पक्ष की ओर ले सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्यप्रकाश त्रिपाठी और नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

जिले में 9 बड़े अभियान चलाने में थी अहम भूमिकाःअनिल केशरी

स्वच्छ भारत मिशन सोनभद्र से वाराणसी मंडल में हुआ स्थानांतरण, जनपद में कई डीएम सहित अन्य अधिकारीयो ने किया है सम्मानित

सोनभद्र। स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्वय अनिल केसरी का स्थानांतरण वाराणसी मंडल में हुआ स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण में कार्यरत जिला सामान्य अनिल केसरी का स्थानांतरण वाराणसी मंडल कार्यालय में हुआ है। आज मिशन निदेशक स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण ने निर्देश जारी हुआ है। इन्होंने जनपद में 9 बड़े अभियान के संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया जिसमें सभी ग्राम पंचायत में सामूहिक सफाई अभियान जो सुबह 4:00 बजे भोर से चलाया गया। दूसरा सबसे सफल अभियान ओडीएफ गांव में निगरानी समिति जहां प्रत्येक ग्राम पंचायत में 500 से 1000 लोगों के द्वारा निगरानी समितियां का गठन किया गया को लोगों को खुले में शौच नहीं जाने के लिए समझाते थे। हर घर गांव में हर घर से एक आदमी निगरानी समिति में था गांव ऑडियो होने पर गौरव यात्रा का आयोजन जनपद सोनभद्र में उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी मानव श्रृंखला 140 किलोमीटर की बनी जो स्वच्छता और शिक्षा को समर्पित रहा। अब की बरसात शौचालय के साथ महा अभियान में एक माह में 70000 शौचालयों का निर्माण। ग्राम पंचायत में डिप बोरवेल रिचार्ज पीट, मेरा प्लास्टिक मेरी जिम्मेदारी अभियान, ग्राम समाधान दिवस, इत्यादि बड़े अभियान जिसकी जिम्मेदारी तत्कालीन जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी ने अनिल केसरी को दिया और इन्होंने उसको कड़े मेहनत से सफल बनाया।

आजाद अधिकार सेना ने आज जिला मुख्यालय पर एकत्र होकर पूरे देश में जल जीवन मिशन में भारी भ्रष्टाचार के विरोध में प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति के नाम प्रत्यावेदन सौंपा

सोनभद्र। प्रत्यावेदन में कहा गया कि जल जीवन मिशन केंद्र सरकार की एक अत्यंत महत्वाकांक्षी परियोजना है किंतु अभी ज्यादातर स्थानों पर यह मिशन पूरी तरह निष्प्रभावी है. इसका एक बहुत बड़ा कारण इस मिशन में भयावह भ्रष्टाचार है. भ्रष्टाचार के मुख्य कारण मिशन के संचालन के लिए सही संरचना का ना होना तथा ज्यादातर स्टाफ प्रतिनियुक्ति पर अथवा संविदा से होना है. इसके साथ ही यह मिशन घर-घर तक फैला है, जिसकी सही मॉनिटरिंग के लिए निष्पक्ष उच्चस्तरीय थर्ड पार्टी की जरूरत है, लेकिन ज्यादातर मॉनिटरिंग का काम सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा अपने लोगों को दे दिया जा रहा है, जिससे मॉनिटरिंग के नाम पर लीपापोती हो रही है. यही कारण है कि हर प्रदेश में जल जीवन मिशन में भारी भ्रष्टाचार की बातें सामने आ रही हैं. राजस्थान में एक पूर्व मंत्री को गिरफ्तार किया जा चुका है और मध्य प्रदेश की वर्तमान मंत्री पर 1000 करोड़ के घोटाले के आरोप हैं. उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और मौजूदा मंत्री तथा प्रमुख सचिव पर भी हजारों करोड़ के घोटाले के आरोप हैं.आजाद अधिकार सेना ने राष्ट्रपति से जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार की शिकायतों की सीबीआई तथा ईडी से जांच की मांग की मांग की है. साथ ही प्रत्यावेदन में इस मिशन को सही ढंग से चलाने के लिए तत्काल विभाग के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और त्रुटिहीन थर्ड पार्टी मॉनिटरिंग व्यवस्था बनाए जाने की भी मांग की गई. विरोध प्रदर्शन के दौरान उपस्थित रहे।

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की झांकी निकली, भाव विभोर हुए भक्तगण, हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की..समूचा कथा स्थल हुआ गुंजायमान

सोनभद्र। मद्भागवत कथा के पांचवें दिन श्रीकृष्ण के बाललीला,माखन चोरी, व्रजरज का महत्व, कालिया मर्दन प्रसंग की कथा सुनाई गई. रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत पेटराही के सिंधौरा गोरारी गांव स्थित संत श्री कामेश्वर जी शिक्षा एवं जन विकास सेवा आश्रम में चल रहा आयोजन। रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत पेटराही के सिंधौरा गोरारी गांव में स्थित संत श्री कामेश्वर जी शिक्षा एवं जन विकास सेवा आश्रम में चल रहे श्री मद्भागवत कथा के पांचवें दिन सोमवार को भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव की झांकी निकाली गई। इस दौरान हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की के जयकारे से समूचा कथा स्थल गुंजायमान हो गया। भगवान श्री कृष्ण का दर्शन करने का तांता लगा रहा, वहीं कथा का रसपान कर भक्त भाव विभोर हो गए। श्री मद्भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ के पंचम दिवस के अवसर पर परम् श्रद्धेय अरुण कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने परब्रह्म भगवान् श्री कृष्ण के पावन बाललीला एवं पूतना मोक्ष , भगवान् के माखन चोरी की लीला, व्रजरज का महत्व , ब्रह्मादिक देवताओं का मान मर्दन एवं कालीयमर्दन के पावन प्रसंगों का सुन्दरतम् कथा के द्वारा समस्त श्रोता समुदाय को भागवतीय सरिता में सराबोर किया। जिसमें भगवान् के ही दिव्य स्वरूप में प्रतिष्ठित गोवर्धन भगवान् की पावन कथा का रसास्वादन कराया गया। महाराज जी ने कहा कि भारतवर्ष में जन्म लेना सुन्दरतम् सौभाग्य का उदय होना है। भारतवर्ष के पत्ता, पानी, पत्थर में भी इतना सामर्थ्य है कि समस्त जनमानस को गोविंद के अलभ्य कृपा का भी लाभ प्रदान करता है। पावन गोवर्धन भगवान् के महत्व को बताते हुए व्यास जी ने कहा कि गाय , ब्राह्मण, संत , पर्वत , माता ,पिता , भारतीय परिपाठी में इन्हें प्रत्यक्ष देवस्वरूप में स्वीकार किया है।गोवर्धन की कथा का सारांश बतलाते हुए महाराज जी ने कहा कि प्रकृति एवं ब्रह्म को भूलना नहीं चाहिए, जिसे सुनकर समस्त जनमानस श्रोता समुदाय आनन्द स्वरूप परमात्मा के आनन्द में आनन्दित हुए। व्यास जी ने कहा कि संत श्री कामेश्वर जी का उद्देश्य वैदिक गुरुकुल का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसमें क्षेत्र के सभी गणमान्य प्रियजनों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। आप सभी लोग प्रभु के श्री चरणों में अपना सहयोग प्रदान करें और अपनें अमूल्य जीवन को सफल बनाएं। इस अवसर पर यज्ञ के आचार्य सूरज पाण्डेय जी , पं0 सतीश पाण्डेय, अर्जुन तिवारी, सुन्दरम् ओझा, अभिषेक पाठक, राजेश कुमार पाठक, नितेश पाठक , सुशील त्रिपाठी, प्रशान्त कुमार मिश्र, दिनेश पाण्डेय, गणेश दूबे, पंकज पाण्डेय, प्रिया पाठक, सुशीला पाठक, सुघरा पाठक, उषा पाठक, अनुराग पाठक, प्रिंस पांडेय, ललित पांडेय, सनोज पांडेय एवं समस्त भगवत्प्रेमी भक्त संगीत के सुमधुर कलाकार उपस्थित रहे।

सोनभद्र पुलिस की प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप एक नफर अभियुक्ता को मा0 न्यायालय द्वारा दी गयी सजा का विवरण

सोनभद्र। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ महोदय व श्रीमान् अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी जोन, वाराणसी पीयूष मोर्डिया के निर्देशन,पुलिस महानिरीक्षक, विन्ध्याचल परिक्षेत्र मिर्जापुर श्री आर0पी0 सिंह के कुशल पर्वेक्षण में जनपद सोनभद्र में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे 'क्ष्र्ध्र्ीूदह ण्दहन्म्ूदह' अभियान के क्रम में अभियुक्तों को सजा दिलाने हेतु प्रभावी पैरवी के लिए सम्बन्धित थाना प्रभारी व पैरोकारों को अपराधियों को अधिक से अधिक सजा दिलाने हेतु निर्देशित किया गया था। जनपद सोनभद्र पुलिस/मॉनिटरिंग सेल एवं अभियोजन पक्ष तथा कोर्ट पैरोकार/मोहर्रिर के अथक प्रयास एवं प्रभावी पैरवी से आज दिनांक-08.07.2025 को थाना चोपन पर पंजीकृत अभियोग में मा0 न्यायालय द्वारा सुनाई गयी सजा- थाना चोपन पर पंजीकृत मु0अ0सं0-23/18 धारा 363, 366, 372 भादवि व 7/8 पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित प्रकरण में लगातार किये गये प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप मा0 न्यायालय एएसजे पॉक्सो सोनभद्र द्वारा अभियुक्ता चप्पा पत्नी पप्पू निवासी पटवध टोला बिरना खाड़ी थाना चोपन जनपद सोनभद्र को धारा 363 भादवि में 05 वर्ष के कारावास व पांच हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया तथा पप्पू पुत्र राम जियावन निवासी पटवध टोला बिरना खाड़ी थाना चोपन जनपद सोनभद्र को दोषमुक्त किया गया।

थाना बीजपुर पुलिस द्वारा 01 किलो 100 ग्राम गांजा के साथ 01 नफर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु व मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त गिरोह के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन सोनभद्र के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी दुद्धी के पर्यवेक्षण में दिनांक-07.07.2025 को थाना बीजपुर पुलिस द्वारा 01 नफर अभियुक्त पिन्टू बैगा पुत्र रामलाल बैगा निवासी ग्राम डोडहर थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र उम्र करीब 25 वर्ष को गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से 01 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद कर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0- 56/25 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्तः- पिन्टू बैगा पुत्र रामलाल बैगा निवासी ग्राम डोडहर थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र उम्र करीब 25 वर्ष। अभियुक्त का पूर्व का आपराधिक इतिहास- 1.मु0अ0सं0- 05/22 धारा 379,411 भादवि थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र। 2.मु0अ0सं0- 42/24 धारा 03/25 आर्म्स एक्ट थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र। बरामदगी का विवरणः- 01 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीमः- 1.प्र0नि0 अखिलेश कुमार मिश्रा, थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र। 2.उ0नि0 श्रवण कुमार यादव थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र। 3.उ0नि0 राजेश कुमार सिंह थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र। 4.का0 पंकज कुमार सरोज थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र। 5.का0 मंगल प्रजापति थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र।

रवि सिंह ने एशिया ताईक्वानडो में जीता भारत देश के लिए गोल्ड मेडल

सोनभद्र (रेणुकूट)। जिला सोनभद्र के रेणुकूट निवासी रवि सिंह पुत्र महामाया प्रसाद सिंह हिण्डालको निवासी है रवि सिंह हिण्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रेणुकूट के विभाग बायलर को - जेनरेशन में कार्यरत है रवि नेपाल के पोखरा में स्थित पोखरा स्टेडियम के मल्टीपर्पज केवर्ड हाल में आयोजित 27 से 29 जून 2025 तक होने वाली 8वीं एशिया - कप ओपन इंटरनेशनल ताईक्वानडो चैंपियनशिप 2025 में प्रतिभाग किया और विभिन्न स्तरों पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए भारत देश के लिए रवि सिंह ने पुरुष वर्ग पूमसे अंडर 30 एयर में फ़ाइनल तक पहुंचे हुए नेपाल देश के खिलाडियों को हरा कर पदक तालिका में भारत देश का परचम लहरते हुए स्वर्ण पदक पर नाम अंकित करने में सफल रहे इस चैंपियनशिप में विभिन्न देशों के खिलाड़ी ने प्रतिभा किया इस उपलब्धि का श्रेय रवि सिंह ने अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया रवि के इस सफलता पर आशुतोष परिदा, मनीष सिन्हा, कैलाश प्रधान, रवि शंकर तिवारी, कमल किशोर, जी0सी0 लोहानी, पीयूष वर्मा,सुश्री स्नेहा सिंह जिला संगठन आयुक्त गाइड सोनभद्र, सुनील कुमार सिंह जिला संगठन आयुक्त सोनभद्र, राजेश प्रजापति सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त मिर्जापुर, डॉ प्रबोध कुमार सिंह जिला मुख्यायुक्त सोनभद्र, सत्यनारायण कनौजिया जिला आयुक्त स्काउट, शैलेन्द्र कुमार मिश्र स्काउट तहसील ट्रेनिंग काउंसलर दुद्धी सोनभद्र, विजय प्रताप सिंह, वीरेंद्र यादव, झारखण्ड साफ्टबॉल एसोसिएशन के महासचिव बलराम कुमार तांती, प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ डॉ रवि गौड़ "बड़कू" जनपद सोनभद्र के तमाम अधिकारियों ने बधाई दी साथ ही साथ सोनभद्र ताइक्वांडो के वरिष्ठ खिलाड़ियों ने भी रवि को बधाई दी। तथा साथ ही साथ उनके उज्जवल भविष्य की कामना की उनके परिजन इष्ट- मित्र और हिण्डालको परिवार में खुशी का माहौल बना हुआ है।

लॉर्ड्स टेस्ट में बुमराह की वापसी तय,सुंदर की जगह शार्दूल को मौका संभव,इंग्लैंड से आर्चर-एटकिंसन खेल सकते हैं

नयी दिल्ली। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 1-1 की बराबरी पर है। भारत ने बर्मिंघम टेस्ट को 336 रन से जीतकर वापसी की। इससे पहले भारत को लीड्स टेस्ट में इंग्लैंड ने 5 विकेट से हराया था। 5 मैचों की सीरीज का तीसरा मुकाबला लॉर्ड्स में 10 से 14 जुलाई तक खेला जाएगा।क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले इस मैदान की पिच आमतौर पर तेज गेंदबाजों के लिए मददगार होती है, लेकिन पिछले महीने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के आखिरी तीन दिन बैटर्स को भी मदद मिली थी।साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलियन बॉलर्स के खिलाफ 3 सेशन में 282 रन का टारगेट चेज करके वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का टाइटल जीता। 11 से 14 जून के बीच खेले गए इस मुकाबले के शुरुआती ढाई दिनों में तीन पारियां खत्म हो गईं। इसके बाद पिच बल्लेबाजी के लिए आसान होती गई। भारत-इंग्लैंड तीसरे टेस्ट के लिए भी इसी तरह के कंडीशंस देखने को मिल सकती हैं।भारतीय बैटिंग ऑर्डर में बदलाव की गुंजाइश न के बराबर है। सीरीज में चार भारतीय बैटर्स 200 से ज्यादा रन बना चुके हैं। ओपनर्स अच्छी शुरुआत दे रहे हैं। पिछले दो मैचों में भारत की ओपनिंग जोड़ी 456 रन बना चुकी हैं। यशस्वी जायसवाल ने एक शतक और एक फिफ्टी के सहारे 220 रन बनाए हैं, जबकि केएल राहुल ने 236 रन बनाए हैं। उनके नाम भी एक शतक और एक अर्धशतक है।इन दोनों के अलावा, कप्तान शुभमन गिल 3 शतक के सहारे 585 रन बनाकर सीरीज के टॉप स्कोरर हैं। उप कप्तान ऋषभ पंत ने दो शतक सहित 342 रन बनाए हैं।रवींद्र जडेजा ने बर्मिंघम टेस्ट की पहली पारी में 89 और नाबाद 69 रन बनाए थे। वॉशिंगटन सुंदर ने 42 रन बनाए थे। उन्होंने दूसरी पारी में अहम मौके पर बेन स्टोक्स का विकेट दिलाया था। डब्लूटीसी फाइनल में लॉर्ड्स की पिच का बिहेवियर देखते हुए स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर की जगह शार्दूल ठाकुर को मौका दिया जा सकता है। पिछला मैच जीतने के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने लॉर्ड्स टेस्ट में जसप्रीत बुमराह के खेलने की पुष्टि की है। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा की जगह लाया जा सकता है। प्रसिद्ध पिछले मैच में 111 रन देकर एक भी विकेट ही ले सके थे। मोहम्मद सिराज दूसरे और आकाश दीप तीसरे पेसर होंगे। शार्दूल ठाकुर 5वें पेसर होंगे।भारतः यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्?डी, वॉशिंगटन सुंदर/शार्दूल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप। इंग्लैंड : बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स, जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, गॉस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर और शोएब बशीर।

हमारा ब्लड प्रेशर लो क्यों होता है? इन 10 संकेतों को कभी न करें नजरअंदाज

नयी दिल्ली। आजकल खराब लाइफस्टाइल के कारण लोगों में हाई और लो ब्लड प्रेशर की समस्या आम होती जा रही है। लो ब्लड प्रेशर को मेडिसिन की भाषा में हाइपोटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर को हाइपरटेंशन कहा जाता है। हालांकि कभी-कभार बीपी का थोड़ा ऊपर-नीचे होना सामान्य है। लेकिन अगर यह अक्सर होने लगे तो गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, लो ब्लड प्रेशर अक्सर बिना किसी खास लक्षण के होता है। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि यह समस्या कब सामान्य है और कब डॉक्टर के पास जाने की जरूरत होती है। तो चलिए, आज फिजिकल हेल्थ कॉलम में हम लो ब्लड प्रेशर के बारे में विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- लो ब्लड प्रेशर क्या है और ये किन कारणों से होता है? इस समस्या से कैसे बचा जा सकता है?जब हार्ट खून को पूरे शरीर में पंप करता है तो वह नसों की दीवारों पर दबाव डालता है, जिसे ब्लड प्रेशर कहते हैं। अगर यह दबाव सामान्य से कम यानी 90/60 स्सु (मिलीमीटर ऑफ मर्करी) से नीचे चला जाता है तो उसे लो ब्लड प्रेशर कहते हैं। इस स्थिति में शरीर के अंगों को पर्याप्त मात्रा में ब्लड और ऑक्सीजन नहीं मिल पाता, जिससे व्यक्ति को चक्कर आना, थकान, धुंधला दिखना और कभी-कभी बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ब्लड प्रेशर की माप में दो संख्याएं होती हैं। सिस्टोलिक (ऊपरी संख्या): जब दिल खून पंप करता है। डायस्टोलिक (निचली संख्या): जब दिल पंप के बाद विश्राम करता है। आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति का बीपी लगभग 120/80 स्सु होना चाहिए। जब यह स्तर काफी नीचे चला जाए तो यह शरीर के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। ब्लड प्रेशर बहुत कम होने पर शरीर के अंगों को पर्याप्त ब्लड और ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है। इससे व्यक्ति को चक्कर आना, थकान, धुंधलापन या बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई बार बैठने या खड़े होने के तुरंत बाद ये लक्षण अचानक महसूस होते हैं। ब्लड प्रेशर लो होने के पीछे डिहाइड्रेशन और हार्ट संबंधी समस्याएं, हॉर्मोनल असंतुलन और खून की कमी समेत कई कारण शामिल हैं। महिलाओं में प्रेग्नेंसी के दौरान हार्मोनल बदलावों की वजह से भी ब्लड प्रेशर गिर सकता है, जो आमतौर पर डिलीवरी के बाद अपने आप सामान्य हो जाता है। इसके अलावा गर्म मौसम, तनाव, डर या अचानक दर्द जैसी स्थितियां भी अस्थायी रूप से बीपी कम कर सकती हैं।लो ब्लड प्रेशर का इलाज इसके कारण पर निर्भर करता है। आमतौर पर लाइफस्टाइल में बदलाव जैसे ज्यादा पानी पीना, धीरे-धीरे उठना और थोड़ा नमक ज्यादा खाना इसमें मददगार हो सकता है। कुछ मामलों में डॉक्टर दवाएं भी लिख सकते हैं। वहीं अगर कोई दवा बीपी को गिरा रही है तो डॉक्टर उसकी खुराक घटा सकते हैं या दवा बंद कर सकते हैं। लो ब्लड प्रेशर की समस्या से बचने के उपाय लो बीपी से बचने के लिए लाइफस्टाइल और खानपान में कुछ बदलाव जरूरी है। लो ब्लड प्रेशर हमेशा खतरनाक नहीं होता है। कुछ लोगों में यह बिना किसी लक्षण के भी हो सकता है। वहीं अगर इससे अक्सर चक्कर, थकान या बेहोशी जैसे लक्षण दिखें तो यह किसी छिपी हुई स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है।अगर आपको चक्कर आना, कमजोरी, धुंधलापन या बेहोशी जैसा महसूस हो तो तुरंत बैठ जाएं या लेट जाएं। अपने पैरों को ऊपर की ओर उठाएं ताकि दिमाग तक ब्लड फ्लो बढ़ सके। गहरी और धीमी सांस लें, घबराएं नहीं। पानी या ध्ंए पिएं क्योंकि डिहाइड्रेशन भी एक कारण हो सकता है।अगर खाली पेट हैं तो हल्का और जल्दी पचने वाला कुछ खाएं, जैसे बिस्किट या फल। अगर लक्षण बने रहें या बेहोशी जैसा महसूस हो रहा हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। ध्यान रखें कि अगर यह स्थिति बार-बार हो रही है तो इसे मामूली न समझें। यह किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है, जिसका जांच और इलाज जरूरी है। डॉ. संजीव अग्रवाल बताते हैं कि हां, खाने-पीने की गलत आदतें लो ब्लड प्रेशर को प्रभावित कर सकती हैं। पर्याप्त पानी न पीना, शराब का ज्यादा सेवन और बहुत हल्का या अनियमित भोजन करने से बीपी गिर सकता है। खासकर डिहाइड्रेशन की स्थिति में यह और बिगड़ सकता है। हां, नियमित हल्की एक्सरसाइज जैसे वॉकिंग, योग या स्ट्रेचिंग से ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है और लो बीपी कंट्रोल में रह सकता है। लेकिन बहुत तेज या हैवी एक्सरसाइज से बीपी गिर सकता है, इसलिए एक्सरसाइज हमेशा शरीर की क्षमता और डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही करें।अगर इसे लंबे समय तक अनदेखा किया जाए तो यह दिमाग, दिल और किडनी जैसे अहम अंगों तक ब्लड और ऑक्सीजन की सप्लाई को प्रभावित कर सकता है। इससे बेहोशी, ऑर्गन फेल्योर या शॉक जैसी गंभीर स्थिति बन सकती है। इसलिए समय रहते सही कारण की पहचान और इलाज कराना बेहद जरूरी है।

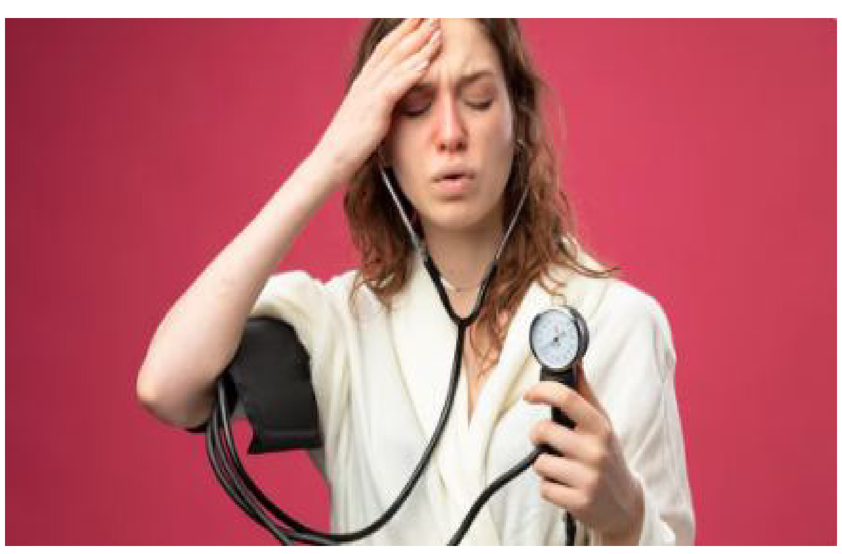

लंदन में कहां रहते हैं विराट कोहली? इंग्लैंड के दिग्गज ने बातें-बातें में पता बता दिया

नयी दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली लंदन शिफ्ट हो चुके हैं। पिछले कुछ समय में उन्हें लंदन में बार-बार स्पॉट किया गया। विराट के बेटे का जन्म भी पिछले साल की शुरुआत में लंदन में ही हुआ था। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके विराट आखिरी बार आईपीएल 2025 में खेलते नजर आए थे। अब वह फिर से लंदन पहुंच गए हैं। वह सोमवार को विंबलडन में नोवाक जोकोविच का मुकाबला देखने के लिए सेंटर कोर्ट पहुंचे। उनके साथ पत्नी अनुष्का शर्मा भी दिखीं। इंग्लैंड के सबसे सफल बल्लेबाजों में शामिल जोनाथन ट्रॉट ने कहा- क्या वह सेंट जॉन वुड में या उसके पास नहीं रहते? क्या उन्हें वापस आने के लिए मनाया नहीं जा सकता?पूर्व इंग्लैंड बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट ने संकेत दिया है कि भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इस समय लंदन के सेंट जॉन वुड इलाके में रह रहे हैं। कई रिपोर्ट्स में उनके ठिकाने को लेकर अनुमान लगाए गए, लेकिन उनकी सही जगह की पुष्टि नहीं हुई थी। टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कोहली नॉटिंग हिल इलाके में रह रहे हैं। मगर स्टार स्पोर्ट्स पर चर्चा के दौरान ट्रॉट ने संकेत दिया कि कोहली सेंट जॉन वुड में रह रहे हैं, जो उत्तर-पश्चिम लंदन का एक खूबसूरत इलाका है।विराट कोहली का बल्ला टेस्ट क्रिकेट में लंबे समय से शांत था। 2019 के अंत में उनका टेस्ट औसत करीब 55 का हुआ करता था। उसके बाद से 39 टेस्ट में 30 की औसत से विराट ने 2028 रन बनाए। 2020 से 2025 के बीच टेस्ट में विराट ने सिर्फ तीन शतक लगाए। उन्हें लगातार ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद को खेलने में परेशानी हो रही थी। आईपीएल 2025 के बीच विराट ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर टेस्ट छोड़ने का फैसला सुना दिया। क्रिकेट इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में शामिल विराट कोहली टेस्ट में 10000 रन नहीं बना पाए।

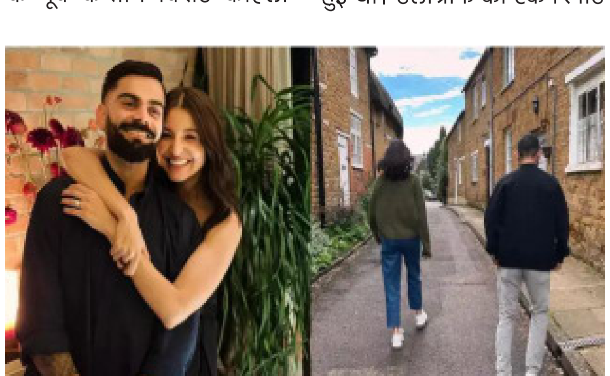

इंग्लैंड में गरज रहे मुशीर खान... लगातार तीन मैच में तीन शतक ठोके, गेंदबाजी में भी कर रहे कमाल

नयी दिल्ली। भारतीय सीनियर पुरुष टीम इंग्लैंड के दौरे पर है। महिला टीम भी इंग्लैंड में सीरीज खेल रही हैं। भारत की अंडर-19 टीम भी इस समय इंग्लैंड में ही है। इसके साथ ही मुंबई इमर्जिंग टीम भी इंग्लैंड में जाकर खेल रही है। इस टीम में युवा ऑलराउंडर मुशीर खान भी शामिल हैं। वहां वह गेंद के साथ ही बल्ले से धमाकेदार प्रदर्शन कर रहे हैं। मुशीर ने अब तक खेले गए तीनों मुकाबलों में लगातार तीन शतक लगाकर सभी का ध्यान खींचा है। लोबॉरो यूसीसीई टीम के खिलाफ तीसरे मुकाबले में मुशीर ने 116 गेंदों में 102 रन बनाए, जिसमें 14 चौके और 1 छक्का शामिल था। उन्होंने 87.93 के स्ट्राइक रेट से यह शानदार पारी खेली। इससे पहले 3 जुलाई को खेले गए मुकाबले में चैलेंजर्स के खिलाफ मुशीर ने दूसरी पारी में 127 गेंदों में 125 रन बनाए। इसमें 11 चौके और 1 छक्का शामिल था। मुशीर ने इस दौरे की शुरुआत भी धमाकेदार तरीके से की थी। 30 जून को नॉटिंघमशायर सेकंड इलेवन के खिलाफ खेले गए पहले मैच में उन्होंने 127 गेंदों में 123 रन बनाए।बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी मुशीर खान का जलवा देखने को मिल रहा है। दूसरे मैच में उन्होंने गेंदबाजी में 10 बल्लेबाजों को आउट किया था। मुशीर बाएं हाथ से स्पिन गेंदबाज हैं। उन्होंने पहली पारी में 38 रन देकर 6 बल्लेबाजों को आउट किया था। दूसरी पारी में 4 विकेट लेकर उन्होंने अपने 10 विकेट पूरे किए। हालांकि वह मुकाबला ड्रॉ रहा था।मुशीर खान का पिछले साल ईरानी कप से पहले एक्सीडेंट हो गया था। वह मैच के लिए कार से जा रहे थे, तभी लखनऊ के पास यह घटना घटी थी। इस दौरान उनके गर्दन में चोट आई थी। मुशीर इस वजह से काफी समय तक मैदान से दूर रहे। आईपीएल 2025 में वह पंजाब किंग्स का हिस्सा थे। जहां इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में उन्हें एक ही मैच खेलने का मौका मिला। इस मैच में मुशीर का खाता नहीं खुला जबकि गेंदबाजी में मयंक अग्रवाल का विकेट लिया।

बारिश में एसी से आती है बदबू,सीलन, फंगस समेत हो सकते हैं ये 7 रिस्क, मानसून में बरतें 6 जरूरी सावधानियां

नयी दिल्ली। भारत उन गिने-चुने देशों में है, जहां सभी ऋतुएं होती हैं। इनमें मानसून बेहद सुकून देने वाला मौसम है। इस मौसम में भी कुछ लोग एसी (एयर कंडीशनर) का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इसकी देखभाल और बदली हुई जरूरतों को नजरअंदाज कर देते हैं। नतीजतन सीलन, फंगस, बदबू, बिजली बिल में इजाफा और कई बार एसी में खराबी तक आ जाती है। इसलिए गर्मी की तुलना में मानसून में एसी की देखभाल कहीं ज्यादा जरूरी होती है। अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो छोटा-सा फॉल्ट बड़ी परेशानी बन सकता है।मानसून में एसी इस्तेमाल करना इसलिए सहीं नहीं हैं मानसून में हवा में नमी ज्यादा होती है, जो एसी की कार्यक्षमता पर असर डालती है। अगर समय पर सफाई और सर्विसिंग न हो तो एसी में फंगस, बैक्टीरिया और धूल जमा हो सकती है। इससे हवा दूषित हो जाती है, जो एलर्जी, सिरदर्द या सांस की समस्या का कारण बन सकती है। साथ ही नमी के कारण कूलिंग कॉइल और फिल्टर जल्दी गंदे होते हैं, जिससे बिजली की खपत बढ़ती है और कूलिंग कमजोर हो जाती है। कई बार एसी से पानी टपकने लगता है, जिससे दीवारें भी खराब हो सकती हैं। इसलिए मानसून में एसी की देखभाल पर खास ध्यान देना जरूरी है। अगर एसी का फिल्टर गंदा हो या पानी बाहर निकालने वाली पाइप बंद हो जाए तो नमी कमरे में जमा होने लगती है। बहुत ठंडा टेम्परेचर रखने से भी दीवारों और खिड़कियों पर पानी जम सकता है, जिससे सीलन बढ़ जाती है। इसलिए मानसून में एसी की सफाई जरूरी है और टेम्परेचर ज्यादा कम नहीं रखना चाहिए।मानसून में एसी को सिर्फ चलाना ही नहीं, बल्कि उसकी देखभाल भी जरूरी है। इससे वह लंबे समय तक सही काम करेगी। साथ ही बिजली की बचत भी होगी। नीचे दिए गए कुछ आसान और कारगर तरीकों को अपनाकर आप अपने एसी की परफॉर्मेंस को बेहतर बना सकते हैं। मानसून में लगातार बढ़ती नमी, बारिश और गंदगी की वजह से एसी के कुछ खास हिस्से जल्दी प्रभावित होते हैं। जैसेकि-एयर फिल्टर बारिश के मौसम में धूल की वजह से एयर फिल्टर पर जल्दी गंदगी जम सकती है। इसलिए हर 10-15 दिन में फिल्टर को निकालकर धोएं। गंदा फिल्टर हवा की क्वालिटी को खराब कर सकता है और एलर्जी या सांस से जुड़ी परेशानियों का कारण बन सकता है। ड्रेनेज पाइप- मानसून में अक्सर पानी की निकासी में दिक्कत आती है, खासकर अगर पाइप में धूल या काई जम गई हो। पानी सही से न निकलने से इनडोर यूनिट से पानी टपकने लगेगा। यह सीलन और दीवारों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए समय-समय पर ड्रेनेज पाइप को साफ करवाना जरूरी है। आउटडोर यूनिट (फिन्स और पंखा) - बारिश में आउटडोर यूनिट के आसपास मिट्टी, पत्तियां और कीड़-पतंगे जमा हो सकते हैं। इससे यूनिट के फिन्स और पंखे पर असर पड़ता है और कूलिंग घट जाती है। इसलिए कोशिश करें कि यूनिट छांव या शेड में हो और उसके आसपास सफाई बनी रहे। कूलिंग कॉइल-बारिश में हवा की नमी कॉइल पर जमकर उसे चिपचिपा बना सकती है। इससे कूलिंग धीरे-धीरे कम होने लगती है और बिजली की खपत बढ़ती है। हर सीजन की शुरुआत में इसकी डीप क्लीनिंग जरूर करवाएं। डक्ट (अगर सेंट्रल एसी है) - मानसून में डक्ट के अंदर नमी और गंदगी फंगस को जन्म देती है। इससे हवा में बदबू और एलर्जी के कण फैल सकते हैं। इसलिए मानसून में डक्ट की सफाई कराना जरूरी है, खासकर बच्चों या अस्थमा के मरीजों के लिए।कुछ लोग 16-18 डिग्री पर एसी चला देते हैं, जिससे कमरे में सीलन और पानी की बूंदें जम सकती हैं। यह सेहत और दीवारों दोनों के लिए नुकसानदायक है। साथ ही बारिश के मौसम में आउटडोर यूनिट के आसपास मिट्टी, पत्तियां और कीड़े जमा हो जाते हैं, जिससे यूनिट की परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है। इन गलतियों से बचकर आप एसी को न सिर्फ सुरक्षित रख सकते हैं, बल्कि बिजली की बचत और बेहतर कूलिंग भी पा सकते हैं।नम मौसम में पूरे दिन एसी चलाना ठीक नहीं है। इससे कमरे में नमी फंस सकती है, जिससे सीलन, बदबू और फंगल इंफेक्शन की समस्या हो सकती है। साथ ही बिजली की खपत भी बढ़ती है और एसी पर दबाव पड़ता है। बेहतर है कि एसी को ड्राई मोड पर चलाएं, बीच-बीच में कमरे को हवादार करें और जरूरत हो तो सीलिंग फैन का भी इस्तेमाल करें। इससे ठंडक बनी रहेगी और एसी पर लोड भी कम होगा।मानसून में एसी का इस्तेमाल बच्चों और बुजुर्गों के लिए सुरक्षित है, लेकिन सही देखभाल और संतुलित इस्तेमाल के साथ। इस मौसम में हवा में नमी ज्यादा होती है, जो सांस, एलर्जी और फंगल इन्फेक्शन जैसी समस्याएं बढ़ा सकती है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम थोड़ा कमजोर होता है, इसलिए उन्हें साफ और आरामदायक वातावरण की ज्यादा जरूरत होती है। मानसून में एसी का टेम्परेचर थोड़ा अलग और संतुलित रखना चाहिए। इस मौसम में वातावरण में पहले से ही नमी होती है, इसलिए बहुत कम टेम्परेचर (जैसे 16-20 डिग्री) पर एसी चलाना नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच होना चाहिए। इससे कमरे में न तो ज्यादा ठंडक होती है और न ही नमी बढ़ती है। साथ ही एसी की परफॉर्मेंस बेहतर रहती है, बिजली की बचत होती है। नहीं, मानसून में एसी की इनडोर यूनिट को अलग से कवर करने की जरूरत नहीं होती क्योंकि यह पहले से ही घर के अंदर सुरक्षित स्थान पर होती है और मौसम की सीधी मार से बची रहती है। जरूरत कवरिंग की सिर्फ आउटडोर यूनिट को होती है, खासकर तब जब वह खुले में लगी हो और बारिश सीधा उस पर पड़े।

ज्वाला गुट्टा की बेटी के नाम का क्या है अर्थ, हिंदू धर्म में माना जाता है प्रेम का प्रतीक, भगवान कृष्ण को है प्यारा

नयी दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी ज्वाला गुट्टा ने अप्रैल में बेटी को जन्म दिया है। 2021 में ज्वाला ने एक्टर प्रोड्यूसर विष्णु विशाल से शादी की थी। विष्णु विशाल और ज्वाला गुट्टा ने हाल में ही अपनी बेटी का नामकरण समारोह आयोजित किया। इसमें बॉलीवुड के सुपर स्टार और मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से मशहूर आमिर खान ने भी हिस्सा लिया। आमिर ने ही ज्वाला और विशाल की बेटी का नामकरण किया।इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए आमिर खान हैदराबाद पहुंचे थे। आमिर ने कपल की बेटी का नाम भी रखा – 'मीरा'। ज्वाला गुट्टा ने इंस्टाग्राम पर इवेंट की फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'हमारी 'मीरा'! इससे ज्यादा कुछ नहीं मांगा जा सकती आमिर, आपके बिना यह सफर नामुमकिन होता। हम आपसे प्यार करते हैं। खूबसूरत और सोच-समझकर कर नाम देने के लिए शुक्रिया।विष्णु विशाल ने सोशल मीडिया पर लिखा- 'मीरा' बिना शर्त प्रेम और शांति का प्रतीक है। हिंदू धर्म में मीरा के कई अर्थ होते हैं। इसमें समुद्र, शांति और भगवान कृष्ण की भक्त शामिल है।41 साल की ज्वाला गुट्टा ने बैडमिंटन में कई उपलब्धियां हासिल की है। वह मुख्य रूप से डबल्स इवेंट की खिलाड़ी रही। 2011 विश्व चैंपियनशिप में उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। उबेर कप में भी दो बार ब्रॉज जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे चुकी हैं। उनके नाम कॉमनवेल्थ गेम्स में एक गोल्ड समेत चार मेडल हैं। उन्होंने डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में कुल 316 मैच जीते, जो भारतीय खिलाड़ी में सबसे अधिक है। विष्णु विशाल तमिल फिल्म इंडस्ट्री में एक्टर और प्रोडियूसर हैं। शुरुआत में वह क्रिकेटर बनना चाहते थे। वह टीएनसीए के लीग मैचों में खेलते भी थे लेकिन पैर की चोट की क्रिकेट का करियर खत्म कर दिया।

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड- टीम इंडिया का खौफ... लॉर्ड्स टेस्ट से पहले ब्रैंडन मैकुलम ने बदली प्लानिंग, पिच को लेकर रखी खास मांग

बर्मिंघम। भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में 336 रनों से मिली करारी शिकस्त से आहत इंग्लेंड ने तीसरे टेस्ट मैच के लिए तेज गेंदबाजों की मददगार पिच की मांग की है। 10 जुलाई से लॉर्ड्स के मैदान पर सीरीज का तीसरा मुकाबला होना है। इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की वापसी लगभग तय है जबकि गस एटकिंसन की भी टीम में वापसी हुई है। आर्चर लंबे समय तक कोहनी और पीठ की चोटों से उबरने के बाद टेस्ट में वापसी के लिए तैयार है । उन्होंने अपना पिछला टेस्ट फरवरी 2021 में खेला था।गट एटकिंसन हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण पहले दो टेस्ट में हिस्सा नहीं ले पाए। उनकी वापसी से टीम को तेज गेंदबाजी आक्रमण के मजबूत होने की उम्मीद है। इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि वह एमसीसी के मुख्य ग्राउंड्समैन कार्ल मैक्डरमॉट से 'थोड़ी अधिक गति, उछाल और स्विंग' वाली पिच चाहते हैं। उन्होंने पिछले महीने के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल का हवाला दिया, जहां पैट कमिंस और कगिसो रबाडा गेंद को स्विंग करने में सफल रहे थे।मैकुलम ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' से कहा, 'यह किसी भी तरह से एक ब्लॉकबस्टर होगा। मुझे लगता है कि अगर पिच से तेज गेंदबाजों को मदद मिली तो यह एक शानदार मैच होगा।' इंग्लैंड ने इससे पहले अपनी आक्रामक खेल शैली के अनुकूल सपाट पिचों को प्राथमिकता दी थी। टीम को लीड्स में अधिक उछाल वाली पिच पर खेले गये पहले टेस्ट में पांच विकेट से जीत मिली, तो वहीं एजबेस्टन की 'उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों' में उन्हें करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा।जोफ्रा आर्चर ने दूसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड के साथ अभ्यास किया। मैकुलम ने कहा, 'वह निश्चित रूप से चयन के लिए उपलब्ध होंगे। हमारे तेज गेंदबाजों ने दो टेस्ट मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है। हमें एटकिंसन के चोट से उबरने पर नजर रखने की जरूरत है।'

टेक्नोलॉजी या प्लानिंग हमें भगदड़ों से बचा सकती है

भारत दुनिया की भगदड़-राजधानी बनता जा रहा है। हर जगह भगदड़ है। धार्मिक मेलों में, खेल आयोजनों में, रेलवे स्टेशनों पर, राजनीतिक रैलियों और यहां तक? स्कूलों में भी। जानकार लोग कहते हैं कि भगदड़ें इसलिए हो रही हैं, क्योंकि भारत की बहुसंख्य आबादी नागरिक अधिकारों के प्रति अशिक्षित है। लेकिन वे पूरी तरह से गलत हैं। भगदड़ें अशिक्षा नहीं, बल्कि अपर्याप्त और लचर भीड़-प्रबंधन के कारण होती हैं। वैसे भी, एक तरफ देश में असाक्षरता घट रही है, दूसरी तरफ भगदड़ों से होने वाले हादसे बढ़ते जा रहे हैं। धार्मिक मेलों और खेल आयोजनों में एकत्र हो रही विशाल भीड़ इस बात का संकेत है कि भारत का उभरता हुआ मध्यम वर्ग अपनी समृद्धि का उत्सव मनाना चाहता है। भारतीय बेहद धार्मिक प्रवृत्ति के हैं और धर्मावलम्बी लोग तीर्थयात्राओं पर जाना चाहते हैं। चूंकि उनकी समृद्धि बढ़ी है, इसलिए उनके पास अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए संसाधन भी हैं। शुभ अवसरों के बारे में मान्यता है कि उनमें पुण्य भी बहुत मिलता है। इसलिए धार्मिक मेलों और शुभ अवसरों पर बड़ी संख्या में लोग उमड़ रहे हैं। अशिक्षा में कमी और समृद्धि में बढ़ोतरी के चलते आप मान लें कि आने वाले दिनों में यह भीड़भाड़ और बढ़ेगी। जून में आईपीएल के जश्न के दौरान बेंगलुरु में मची भगदड़ से 11 लोगों की मौत हो गई। पुरी की रथयात्रा में तीन लोग मारे गए। फरवरी में

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 18 जानें चली गईं। प्रयागराज में महाकुम्भ के दौरान कम से कम 30 लोगों की मृत्यु हो गई थी और उससे पहले जनवरी में भी तिरुपति की भगदड़ में छह लोग मारे गए थे। पिछले वर्ष भी हाथरस के एक धार्मिक कार्यक्रम में भगदड़ के बाद 121 लोगों की मृत्यु हो गई थी और 150 को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। इन सभी मामलों में या तो भीड़-प्रबंधन बेहद लचर था या इसका पूर्णतः अभाव था। भीड़-प्रबंधन टेढ़ी खीर है और बढ़ते शहरीकरण के साथ यह और दुष्कर होता जा रहा है। अच्छी बात यह है कि इंस्टैंट कम्युनिकेशन की बेहतर क्षमता और भीड़ के मूवमेंट्स के रियल टाइम डेटा के साथ हम इसकी अच्छी योजना बनाते हुए इसका प्रबंधन कर सकते हैं। ग्रीनविच विश्वविद्यालय के फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग समूह ने व्यवहार संबंधी प्रयोगों और गणितीय मॉडलों का उपयोग कर यह समझने का प्रयास किया है कि विभिन्न परिस्थितियों में भीड़ किस प्रकार से चलती है। उन्होंने पाया कि चार व्यक्ति प्रति मीटर से अधिक घनत्व की भीड़ का मूवमेंट जोखिमपूर्ण होता है। ऐसी भीड़ में चल रहे व्यक्ति को यह नहीं दिखता कि उसके आसपास क्या हो रहा है। वह सिर्फ अपने आसपास चल रहे चंद लोगों को ही देख पाता है। उसे इस बात का जरा भी अनुमान नहीं होता कि चारों ओर भीड़ का दवाब बन रहा है। हां, सीटीसी कैमरों के जरिए भीड़ की गंभीरता की निगरानी संभव है और रियल टाइम में सुरक्षाकर्मियों और कार्यकर्ताओं को जोखिम भरे इलाकों की जानकारी दी जा सकती है। रियल टाइम डेटा से निगरानी के अलावा हमें प्रयागराज, तिरुपति, पुरी, वाराणसी, बद्रीनाथ, द्वारका जैसे धार्मिक स्थलों पर प्रवेश के नियम-कायदे बनाने होंगे। इन शहरों में स्थानीय प्रशासन को वेनिस से सीख लेनी चाहिए, जहां आने वाले दैनिक आगंतुकों से शुल्क वसूला जाता है। धार्मिक मेलों के दौरान भीड़ कम करने के लिए शुल्क बढ़ा भी दिया जाता है। भारत में तो राजनेता ऐसा शुल्क लगाने में संकोच करेंगे, क्योंकि कोई भी ईश्वर के घर में प्रवेश पर शुल्क लगाने का दोष अपने सिर नहीं लेना चाहेगा। लेकिन अगर वो ऐसा करते हैं तो इससे प्राप्त होने वाले राजस्व को धार्मिक स्थलों की बदतर हो रही बुनियादी सुविधाओं को सुधारने पर खर्च किया जा सकता है। श्रद्धालुगण भी इसकी सराहना ही करेंगे। तीर्थयात्रा से एक सप्ताह पहले पंजीकरण को अनिवार्य किया जा सकता है, ताकि आने वाले लोगों के प्रबंधन के लिए पर्याप्त संसाधन लगाए जा सकें। इस समस्या का कोई एक हल नहीं है। रेलवे स्टेशन का भीड़-प्रबंधन स्कूल और खेल आयोजनों से भिन्न होता है। वैष्णो देवी और तिरुपति मंदिरों में सुबह-शाम की आरती के दौरान भीड़-प्रबंधन की तकनीक धार्मिक यात्राओं और सियासी रैलियों से अलग होती है। महत्वपूर्ण यह है कि हमें विशाल भीड़ को प्रबंधित करने की अपनी क्षमता बढ़ानी होगी। क्योंकि शहरीकरण और बढ़ती समृद्धि के कारण आने वाले समय भीड़ तो और बढ़ेगी ही। भीड़-प्रबंधन टेढ़ी खीर है और बढ़ते शहरीकरण के साथ यह और कठिन होता जा रहा है। पर इंस्टैंट कम्युनिकेशन की क्षमता और भीड़ के मूवमेंट्स के रियल टाइम डेटा के साथ हम इसकी अच्छी योजना बनाते हुए प्रबंधन कर सकते हैं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

बिना भरोसे से क्विक कॉमर्स ने खरीदार और दुकानदारों को बदल दिया

कोविड के बाद कुछ वर्षों तक मैं परफ्यूम ऑनलाइन ही खरीदता था। क्योंकि ये सुविधाजनक था। घर पर डिलीवरी होती थी। ऑनलाइन-ऑफलाइन की प्रक्रिया भी एक जैसी थी और ये कांच की बोतलों की सार संभाल भी कर लेते थे। लेकिन बीते एक साल से मैंने ऑनलाइन खरीदारी बंद कर दी। क्योंकि कुछेक बार मुझे खराब अनुभव हुआ। मंगाया गया सामान मुझे नहीं मिला, बोतलें टूटी हुई और दूसरे फ्रेगरेंस की बोतल भेज दी गई।

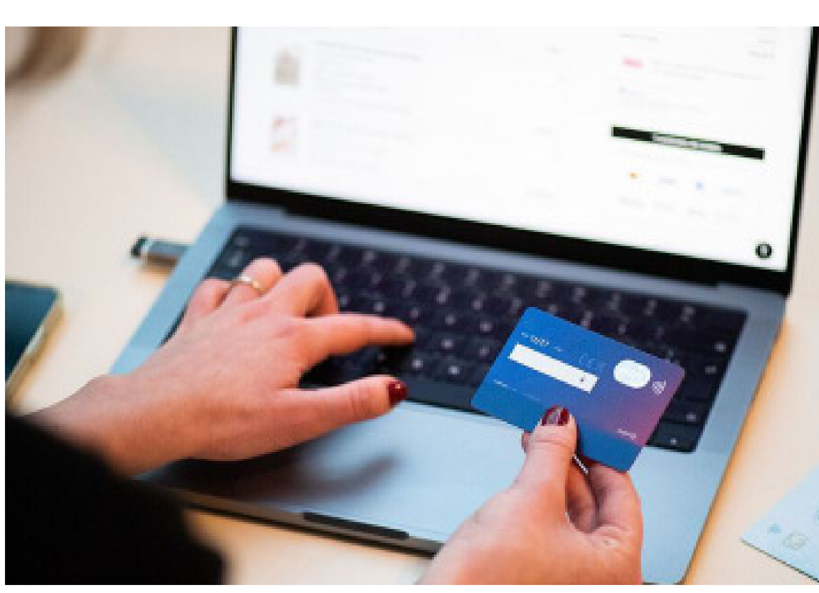

इसे बदलने में भी बहुत समय लगा, जिसके कारण मेरा ब्लड प्रेशर बढ़ गया। इसने मुझे कैश ऑन डिलीवरी (सीओडी) मोड पर खरीदने के लिए मजबूर किया। लेकिन क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म सीओडी मोड पर ज्यादा पैसे लेने लगे। उन्होंने 50 रुपए तक के कई अतिरिक्त शुल्क भी जोड़ना शुरू कर दिया। इसीलिए मैं सभी गैर जरूरी चीजें अपनी यात्राओं के दौरान हवाई अड्डों पर स्थित दुकानों से खरीदने लग गया। बोर्डिंग गेट पर इंतजार के वक्त मुझे कभी नहीं लगा कि मेरा समय व्यर्थ हो रहा है। इसके अलावा उन दुकानों पर टेस्टर भी उपलब्ध थे, जिससे मुझे सही फ्रेगरेंस चुनने में सहायता मिलती थी। ऐसा मैं अकेला नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं के एक पूरे वर्ग को तत्काल डिलीवरी मांगने पर बिल में जोड़े गए शुल्क चुभने लगे हैं। बाजार के बड़े हिस्से पर दबदबा रखने वाले प्लेटफॉर्म बिल में कई सारे शुल्क जोड़ने लग गए हैं, जैसे हैंडलिंग चार्ज, डिलीवरी चार्ज, स्मॉल कार्ट शुल्क, बरसात का शुल्क और कभी-कभी सर्ज फीस। इससे वाकई में बिल बहुत बढ़ जाता है। इसका परिणाम यह हुआ कि हमारे घरों के आसपास के स्थानीय दुकानदारों ने अब अपनी रणनीति बदल दी। वे अब क्विक कॉमर्स से भी अधिक त्वरित हो गए हैं। उन्होंने डिलीवरी करने वाले लड़कों में निवेश किया और वो चाहते हैं कि पड़ोस के ग्राहक सिर्फ उनसे ही सामान खरीदें। वे अपने दिमाग में एक नक्शा बना लेते हैं कि वे कहां तक सामान की डिलीवरी कर सकते हैं। और वो ऐसा इसलिए करते हैं ताकि उनकी बिक्री चलती रहे। जाहिर है कि ये दुकानदार डिलीवरी करने वाले लड़कों की तनख्वाह पर खर्च के लिए तैयार हैं और इस खर्च की भरपाई के लिए वे अधिक से अधिक इलाकों में पहुंच बनाते हैं। इससे उनकी बिक्री बढ़ती है। इस उपाय से उनकी दुकानों पर भी व्यस्तता रहने लगी है, जो पहले सिर्फ वहां तक आने वाले ग्राहकों की सेवा तक ही सीमित थीं। खरीदारों की आदत में एक बड़ा बदलाव यह भी आया है कि वे अब कुछेक ऑर्डर एक साथ मिला कर खरीदारी करते हैं, ताकि हर ऑर्डर पर अतिरिक्त शुल्क देने से बचा जा सके। इन दिनों डिलीवरी बॉय बड़े थैलों के साथ आते हैं, जो महज छह माह पहले तक छोटे-छोटे थैले लेकर आते थे। पहले ग्राहक यह नहीं देखते थे कि वे क्विक कॉमर्स के जरिए कितनी बार ऑर्डर कर रहे हैं। लेकिन अब ये आदत नहीं रही। आपात स्थिति में टमाटर, कढ़ी पत्ता जैसी सब्जियां और अन्य उपभोग की चीजें अब समीप के दुकानदारों से ली जा रही हैं, जो इन्हें 10 मिनट डिलीवरी प्लेटफॉर्म से भी अधिक तेजी से पहुंचाने के लिए तैयार हैं। ये उन प्लेटफॉर्म्स के लिए भी सुविधाजनक है, जो कम मूल्य की उन छोटी-छोटी खरीदारियों को हतोत्साहित करना चाहते हैं, जो शुरुआती तौर पर हमें आलसी बनाने के लिए थीं। चूंकि हम उपभोक्ता जल्दी से आलस्य की बीमारी में फंस गए तो इन प्लेटफॉर्म ने अपनी तिजोरी भरने के लिए कई प्रकार के शुल्क लगाना शुरू कर दिया। और अंत में यह चक्र पूरा हुआ। ग्राहक अब भी आलसी बने हुए हैं और सामान खरीदने के लिए घर से बाहर नहीं जाना चाहते। दुकानदारों ने डिलीवरी प्लेटफॉर्म की ओर चले गए उपभोक्ताओं को वापस लाने के लिए डिलीवरी बॉय की सेवाएं जोड़ दीं। कुछ ग्राहक बाहर जाकर सामान खरीदने को तैयार हो रहे हैं। और प्लेटफॉर्म उन अमीर ग्राहकों को सेवा देकर खुश हैं, जो घर पर बैठकर सामान अपने दरवाजे पर मंगाना चाहते हैं। फंडा यह है कि इससे पहले कि खरीदारी के ये आधुनिक साधन हमारी जेब से ज्यादा पैसा ले उड़ें, हमें उस आपसी भरोसे और व्यक्तिगत संबंधों की ओर वापस लौटना होगा, जो कभी हम दुकानदारों के साथ रखते थे।

आपके रसोईघर के उपकरण बहुत जल्दी क्यों चलन के बाहर हो जा रहे हैं?

अगर आप मुंबई में मेरे दोस्त अंजन मुखर्जी के पास संडे-ब्रंच के लिए जाते हैं तो वे यह सुनिश्चित करेंगे कि आप उनकी छत पर बैठकर एक गिलास बीयर या मौसम के हिसाब से गर्म सूप की चुस्कियां लें। यह उनकी पुरानी आदत है। मैं पिछले 30 सालों से उन्हें जानता हूं और उस ब्रंच में उनकी सबसे पुरानी आदत यह है कि वे बीयर की बोतलें 1990 के दशक के गोदरेज के लाल रंग के 165 लीटर के फ्रिज से निकालते हैं।खाना गर्म करने वाला उनका ओवन भी पिछली सदी का है। उनकी छत और छत तक जाने वाली सीढ़ियों पर रखी गई ज्यादातर चीजें अपनी उम्र से ज्यादा पुरानी हो चुकी हैं, फिर भी वे निष्ठापूर्वक उनकी सेवा करती हैं। हो सकता है कि वे चमचमाती हुई न हों। लेकिन वे अपना काम अच्छे से कर रही हैं। मैं हमेशा सोचता हूं कि मेरे और आपके घरेलू उपकरण जल्दी क्यों खराब हो रहे हैं? यह न कहें कि हमारे पास पुराने उपकरणों को रखने के लिए अंजन जैसी जगह नहीं है। यह सच नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने आधुनिक उपकरणों की तुलना अंजन की छत पर रखे 30 साल पुराने फ्रिज या 25 साल पुराने ओवन से करना बंद नहीं किया है। और इसे मनोवैज्ञानिक अप्रचलन कहते हैं! मनोवैज्ञानिक अप्रचलन का अध्ययन करने वाले और कई गैजेट के डिजाइन पर काम करने वाले लोगों का कहना है कि लोग काम कर रही मशीनों को भी बदल देते हैं क्योंकि उन्हें नए और ट्रेंडी या दोस्तों के बीच सबसे फैशनेबल टैग वाले उत्पाद चाहिए। लोग केवल किसी सामान के टूट जाने या खराब होने पर ही उसे नहीं बदलते हैं। वे इसलिए भी पुरानी चीजों को बदल देते हैं, क्योंकि नया सामान ज्यादा आकर्षक दिखता है, ज्यादा हाई-टेक होता है या वो बस उनकी दीवार के रंग से मेल खाने वाला होता है। डिजाइनर्स इस कमजोरी को जानते हैं और इसलिए वे लगातार नए लुक में सामान बनाते रहते हैं। यह उत्पादों के रिप्लेसमेंट को बढ़ावा देने और बिक्री बढ़ाने की एक सरल मार्केटिंग रणनीति है। मैंने कई तकनीशियनों से बात की, जिनके नंबर मेरे मोबाइल में इतने सालों से मेरे घरेलू उपकरणों की मरम्मत के चलते दर्ज हो गए हैं, और उन्होंने मुझे एक आश्चर्यजनक उत्तर दिया। शहर में आज भी ऐसे बेबी बूमर्स (1946 से 1964 के बीच जन्मे लोग) हैं, जिन्हें वे रिपेयरिंग सेवाएं दे रहे हैं और जिनके पास अभी भी पिछली सदी के उपकरण चल रहे हैं। एक कोरियाई कंपनी का प्रतिनिधित्व करने वाले नरेंद्र कहते हैं, जब मैं उनके रसोई के उपकरण खोलता हूं तो अपने इंजीनियरिंग कौशल को बेहतर बना रहा होता हूं और पुराने उपकरणों की मरम्मत करने के सबसे महत्वपूर्ण कारणों में यह भी एक है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक उपकरण लंबे समय तक चलने के लिए नहीं बनाए जाते। यही कारण है कि कई उत्पादों में वारंटी और एक्सटेंडेड वारंटी भी 4 साल से अधिक नहीं होती है। पिछले कुछ वर्षों में उपकरणों को ठीक करने के लिए आसानी से मिलने वाले कई पुर्जों को डिजिटल से बदल दिया गया है, जो कि प्रोपराइटरी संस्करण होते हैं और उनकी मरम्मत नहीं किया जा सकती। रिपेयरिंग के महंगे हो जाने का एक कारण यह भी है। कुछ उत्पादों का औसत जीवन बढ़ा है तो कुछ में इसमें खासी कमी आई है। अगर आप चाहते हैं कि आपके घरेलू उपकरण अपने औसत जीवन तक चलें तो ये ट्रिक्स आजमाएं : 1. एप्लायंसेस में ऐसे फीचर्स भी होते हैं, जिनका कोई शायद ही कभी उपयोग करता है या उन्हें समझता भी नहीं है। फिर आप उन्हें खरीदते ही क्यों हैं। नए रिलीज किए गए मॉडल को खरीदने से पहले दो बार सोचें। 2. एक्सटेंडेड वारंटी और नियमित रखरखाव में निवेश करें, ठीक उसी तरह जैसे आप हर तीन महीने में अपनी कार का मेंटेनेंस करते हैं। 3. यदि कोई छोटी-मोटी खामियां हैं तो उनके साथ जीना सीखें। नहीं तो खुद ही रिपेयर करने की कोशिश करें या इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे अपने बच्चों की मदद लें। बुरी से बुरी हालत में भी यह उनके लिए एक प्रशिक्षण तो होगा ही। फंडा यह है कि उत्पादों के कई साल न टिकने का कारण हमारी मनोवैज्ञानिक अप्रचलनशीलता और निर्माता का डिजाइन बदलकर ज्यादा मुनाफा कमाने का लालच है। स्वयं निर्णय लें कि क्या आप उपकरणों को अपग्रेड करते रहना चाहते हैं या पुराने उपकरणों का उपयोग जारी रखकर अपनी मेहनत की कमाई बचाना चाहते हैं?

अमेरिका और चीन के बीच हम क्या रणनीति अपनाएं?

2014 से 2018 के बीच शी जिनपिंग ने भारत को अमेरिका के भू-राजनीतिक घेरे से निकाल बाहर करने की भरसक कोशिशें की थीं। सितंबर 2014 में वे अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट के सामने नरेंद्र मोदी के साथ झूले पर बिना किसी वजह के नहीं बैठे थे।2008 में वुहान और 2019 में महाबलीपुरम में हुई समिट्स में उन्होंने दो और प्रयास किए। इन प्रलोभनों के अलावा शी ने ताकत की आजमाइश करने की भी कोशिश की। इसका सबूत डोकलाम था।

लेकिन कोई कवायद काम नहीं आई। भारत अमेरिका के खेमे में बना रहा। 2020 में गलवान की घटना हुई। भारत-चीन संबंधों को फिर से सामान्य होने में पांच साल लग गए।आखिर चीन भारत को अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी गठबंधन से दूर क्यों रखना चाहता है? दलाई लामा पर आक्रामक बयानबाजी और अरुणाचल प्रदेश में जिलों के नाम बदलने की हिमाकतों के बावजूद शी को पता है कि अमेरिका, चीन और भारत के बीच विकसित हो रहे त्रिकोण में भारत एक तीसरा महत्वपूर्ण कोण है।अमेरिका को भी यह बात मालूम है। यही कारण है कि ट्रेड-वॉर की पेचीदगियों के बावजूद प्रतिरक्षा, सुरक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत-अमेरिका साझेदारी और गहरा रही है। हालांकि, अमेरिका इस बात से भी चिंतित हो सकता है कि भारत अगला चीन बन सकता है।वो जानता है कि आज भारत की जीडीपी उतनी ही है, जितनी कि 2008 में चीन की थी। यदि भारत अपनी वार्षिक जीडीपी वृद्धि दर को 8 प्रतिशत तक बढ़ाता है, तो उसकी अर्थव्यवस्था 18 वर्षों में चौगुनी होकर 16 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी- जो आज चीन की अर्थव्यवस्था के लगभग बराबर होगी।बेशक अमेरिका के लिए भारत, चीन की तुलना में अलग तरह की चुनौतियां और लाभ प्रस्तुत करता है। यह चीन के उलट एक लोकतांत्रिक देश है। इसमें स्वतंत्र मीडिया और एक पारदर्शी न्यायपालिका है। कई मायनों में भारत की विविधता अमेरिका के अनुरूप है।इसलिए अमेरिकी थिंक टैंकों का मानना है कि एक ध्रुवीकृत दुनिया में भारत उनका आदर्श सहयोगी साबित होगा। लेकिन अमेरिका की फितरत यह है कि वह अपने प्रतिस्पर्धियों की नकेल कसने के बारे में सोचता रहता है, फिर चाहे वे आज के हों या आने वाले कल के।यही कारण है कि उसने 1990 के दशक से 2025 तक सोवियत संघ के बाद वाले रूस को घेरने के लिए नाटो के धीरे-धीरे बढ़ते विस्तार का इस्तेमाल किया था। रूस-यूक्रेन युद्ध के मूल में अमेरिका की यही नीति है। रूस की अर्थव्यवस्था पर भारी प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिससे चीन पर उसकी निर्भरता बढ़ गई है। शीत युद्ध के दौर के अपने प्रतिद्वंद्वी को कमजोर करने के बाद अब अमेरिका ने अपना ध्यान चीन की ओर लगाया है। लेकिन चीन रूस की तुलना में अलग तरह का खतरा पेश करता है। ईवी, महत्वपूर्ण खनिजों और एआई में चीन की बढ़त अमेरिकी आधिपत्य को चुनौती देती है। 2035 तक भारत की अर्थव्यवस्था 8 ट्रिलियन की हो जाएगी। ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया है कि भारत ने दशकों से चली आ रही अपनी शांतिवादी छवि को त्यागा है। अब पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद का मुकाबला सैन्य-कार्रवाई से किया जाएगा। यह अमेरिका को चिंतित करता है। यही कारण है कि वह भारत को तंग करने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल करता है। भारत-उदय का डर बीजिंग को भी परेशान करता है, अलबत्ता पूरी तरह अलग कारणों से। अमेरिका की तरह चीन भी भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार का दोहन करना चाहता है। लेकिन भारत की बढ़ती ताकत उसे खटकती है। शक्तिशाली भारत के प्रति चीन का डर अमेरिका की तुलना में ज्यादा तात्कालिक है। ऐसे में भारत की रणनीति क्या होनी चाहिए? त्रिभुज के तीसरे कोण के रूप में भारत एक अच्छी स्थिति में है। हम चीन को दूर रखते हुए अमेरिका के साथ अपनी आर्थिक, तकनीकी और रक्षा साझेदारी को गहरा कर सकते हैं, लेकिन बीजिंग को भी भारत के बढ़ते उपभोक्ता बाजार का स्वाद चखने का मौका दे सकते हैं। अमेरिकी बाजार में प्रमुख चीनी निर्यात के लिए जगह नहीं होने के कारण बीजिंग को जल्द से जल्द विकल्प तलाशने की जरूरत है। आसियान और ईयू- दो विकल्प हैं। लेकिन चीन पहले से ही आसियान के साथ भारी व्यापार कर रहा है, जिससे उसका लाभ सीमित हो रहा है।इधर यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद ईयू के साथ संबंध खराब हो गए हैं। इस भू-राजनीतिक भूलभुलैया में भारत के पास कुछ महत्वपूर्ण कार्ड हैं। लेकिन अगले दशक की प्रमुख शक्ति के रूप में उभरने के लिए उसे रणनीतिक रूप से कदम बढ़ाने होंगे। अमेरिका, चीन और भारत के बीच विकसित हो रहे त्रिकोण में भारत तीसरा कोण है। अमेरिका को यह बात मालूम है। भारत-अमेरिका साझेदारी गहरा रही है। हालांकि अमेरिका इससे भी चिंतित है कि भारत अगला चीन बन सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं 'मिन्हाज मर्चेंट')

क्या आपकी कंपनी मोमेंट मार्केटिंग के साथ विज्ञापन में बेहतर है?

तकरीबन तीन हफ्ते पहले हिंद महासागर में एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स से उड़ान भरने के दौरान ब्रिटेन का लड़ाकू विमान एफ-35बी खराब मौसम के कारण डायवर्ट हो गया था। जब वह वापस विमानवाहक पोत पर नहीं लौट पाया तो केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। कम से कम 110 मिलियन डॉलर का ये विमान तब से ही वहां मरम्मत के लिए खड़ा था। इंजीनियरों के कई प्रयासों के बावजूद ये ठीक नहीं हो पाया।यूके रॉयल नेवी को किसी भी शर्मनाक स्थिति से बचाने के लिए इस शनिवार तक इंजीनियरों की टीम जब विमान को फिर शुरू करने के अथक प्रयास कर रही थी, इसी बीच केरल की मार्केटिंग टीमें, मीम मेकर्स तेजी से सक्रिय हो गए।केरल पर्यटन विभाग ने शुरुआत की। अपने स्लोगन 'गॉड्स ओन कंट्री' के प्रमोशन में यूके की आपदा को, विभाग ने खुद के लिए अवसर में बदल लिया। पर्यटन विभाग ने एआई से बनाया पोस्टर लॉन्च किया। इसमें कीमती विमान को लेकर मजाकिया 'रिव्यु' लिखा।मानो विमान खुद कह रहा हो, 'केरल शानदार जगह है, मैं यहां से जाना नहीं चाहता। मैं निश्चित ही इस जगह को फाइव स्टार रेटिंग दूंगा।' पोस्टर के नीचे एक कैप्शन लिखा था 'केरल-ऐसी जगह, जहां से आप कभी जाना नहीं चाहेंगे।' ये पोस्ट तत्काल वायरल हो गई और लोगों का ध्यान खींचने लगी। इंटरनेट पर सक्रिय लोगों ने इसे लेकर खूब मजाकिया टिप्पणियां की। शीघ्र ही कई अन्य लोगों ने भी ऐसा करना शुरू कर दिया। गैजेट की एक छोटी दुकान ने भी इसी चित्र को जुलाई की बिक्री बढ़ाने के लिए काम में लिया, जो बरसाती मौसम में हमेशा घट जाती थी। 'क्या हुआ जो ये टूट गया, इसे जोड़ना क्या हमारा काम नहीं है?'इस विज्ञापन उत्सव में खाने के ब्रांड भी शामिल हो गए। एक विज्ञापन में जेट ने एक फूड ब्रांड को भी फाइव स्टार रेटिंग दी और इसमें कहा 'पवन फूड ने मेरी यात्रा को जायकेदार बना दिया। हर निवाले में घर जैसा स्वाद।' एक अन्य ने भी इस चित्र के साथ जोड़ा 'बहुत महंगा टी ब्रेक, दुनिया का अत्याधुनिक जेट भी खुद को केरल में ठहरने से नहीं रोक पाया। अच्छा नाश्ता आपके साथ ऐसा ही करेगा।' फेस टिश्यू बेचने वाली कंपनी ने पसीने से तरबतर पायलट को तरोताजा रखने को लेकर मजाक किया। उसने कहा 'सबकुछ योजना के अनुसार ही नहीं होता, जरा जेट से पूछिए।पर अच्छी बात है कि तरोताजा रहना तो आपके हाथ में है।' सब्जी बाजार ने एआई इमेजेस का उपयोग किया, जिनमें पायलट एक हाथ में गोभी, दूसरे में टोकरी लिए सब्जी ले रहा है। शिक्षण संस्थानों ने दावा किया कि पायलट इसलिए उतरा, क्योंकि वह उनके यहां एक कोर्स की पढ़ाई करना चाहता है। हालांकि विमान का असली पायलट तो कभी का वापस जा चुका था।वैवाहिक सेवाएं देने वाले पायलट के लिए उत्तम जोड़ी ढूंढ़ने लगे और पीवीसी पाइप निर्माता कंपनी ने जेट के लिए एक बरसात रोधी शेल्टर बनाने की पेशकश की। जब सभी लोग जेट के चित्र के साथ हो हल्ला कर रहे थे तो केरल का डेयरी विभाग कहां चुप रहने वाला था। उसने नारा दिया 'चलिए, आखिरकार कौन एक कूल ब्रेक लेना नहीं चाहेगा?' इसे मोमेंट मार्केटिंग कहा जाता है, जो डिजिटल मार्केटिंग की एक प्रमुख रणनीति है।इसके जरिए हम रचनात्मक तरीके से तात्कालिक घटनाओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी क्रिएटिव टीम में थोड़ी परिस्थिति संबंधी बुद्धिमता है, यानि उसमें ट्रेंडिंग या घट रही स्थितियों पर रचनात्मक मजाकिया वन लाइनर बनाने का गुण है तो आपका ब्रांड इंटरनेट पर मौकों को भुना सकता है और डिजिटल यूजर्स के दिमाग में जगह बना लेगा। और यही किसी विज्ञापन का सबसे महत्वपूर्ण काम होता है।सोचिए कि आपकी टीम मोमेंट मार्केटिंग में कितनी बेहतर है। अमूल एक राष्ट्रीय ब्रांड के तौर पर हर सप्ताह ऐसा कर रहा है। यह समाचारों में ट्रेंड कर रही किसी चीज को फिर से छूता है, इससे उपभोक्ताओं से जुड़ाव में सहायता मिलती है और उसे ट्रेंडिंग विषय को फिर से याद दिलाता है।फंडा यह है कि ग्राहक के दिमाग में चीजें बैठा देना ही मार्केटिंग है और इसके लिए मोमेंट मार्केटिंग से बेहतर क्या हो सकता है।

मार्केटिंग सही हो तो आप कुछ भी, किसी भी कीमत पर बेच सकते हैं

यदि आप उनमें से हैं, जो रेसिंग के बारे में कुछ नहीं जानते तो बीते सप्ताहांत रिलीज हुई 'एफ 1: द मूवी', फॉर्मूला वन की दुनिया जानने के लिए अच्छी फिल्म हो सकती है। हो सकता है फिल्म की कुछ तकनीकी शब्दावली समझ में ना आए, लेकिन देखने में ये इतनी मनमोहक है कि आप 2.36 घंटे तक कुर्सी से नहीं हिल पाएंगे। क्योंकि उन्होंने इसे मैक्स वेर्स्टाप्पेन, चार्ल्स लेक्लर्क और लुईस हैमिल्टन जैसे वास्तविक ड्राइवर्स के साथ फिल्माया है। फिल्म 2023 व 2024 की असली रेसिंग के दौरान फिल्माई गई थी। इसकी ध्वनि आपको जोश से भर देगी। निर्माताओं ने रेसिंग के लिए एक 'उत्तम' कार बनाने के? आवश्यक तकनीकी पहलुओं और उसके पीछे की भौतिकी को भी छुआ है।वास्तव में यह रेसिंग की दुनिया का बेहतरीन परिचय देती है। ब्रैड पिट और डैमसन इदरीस ने अपने किरदारों को इतने प्रभावशाली ढंग से निभाया है, जो लोगों को एफ1 के बारे में जानने के लिए उत्सुक करते हैं। लेकिन इस फिल्म को देखते वक्त मुझे जरा भी अहसास नहीं हुआ ?कि पॉपकॉर्न की एक बड़ी बकेट के पीछे भी लाखों रुपए का व्यापार छिपा है।पॉपकॉर्न कई दशकों से मूवी थिएटरों और प्रदर्शनकर्ताओं की आय का प्रमुख जरिया रहे हैं। अब जिस बकेट में ये रखे जाते हैं, वह भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो रही है। इसी से पूरी दुनिया में थिएटर व्यवसाय फलफूल रहा है। यह मुझे कल तब महसूस हुआ जब मेरे कजिन भाई के बेटे ने अमेरिका से बात की और 'एफ 1: द मूवी' देखने के अपने अनुभव बताए।वह इस फिल्म को तीन बार देख चुका है। इसलिए नहीं कि उसे फिल्म का नायक ब्रैड पिट बहुत पसंद है, बल्कि इसलिए कि पहले दो बार उसे नई एफ 1 पॉपकॉर्न बकेट नहीं मिल पाई थी, क्योंकि थिएटर में यह खत्म हो चुकी थीं। यह बकेट और कुछ नहीं, बल्कि हेलमेट की तरह दिखती हैं, जिनमें आप पॉपकॉर्न रख सकते हो। लेकिन इनकी कीमत 25 से 85 डॉलर तक होती है, जो इस बात पर निर्भर करती है कि कोई कौन-सा पेय और उत्पाद खरीद रहा है।जी हां, लोग इस प्लास्टिक कचरे के लिए इतनी बड़ी कीमत चुकाते हैं, जिसे आप और हम अपने गैरेज में रखना भी पसंद नहीं करें। उस लड़के के पास 18 ऐसे पॉपकॉर्न कंटेनर हैं, जो बीते कुछ वर्षों में थिएटर और फिल्मों के मालिकों ने लॉन्च किए थे। गूगल पर पॉपकॉर्न बकेट सर्च करो। ये शिपिंग समेत 124.99 डॉलर यानि तकरीबन 10 हजार रुपए से अधिक कीमत पर ऑनलाइन स्टोर्स में उपलब्ध हैं।थिएटर्स ने पॉपकॉर्न बकेट को भुना लिया है। वे बड़ी फिल्मों को देखने की जल्दबाजी का भाव पैदा करने और आपके थिएटर संबंधी अनुभवों में कुछ मूल्य जोड़ने के लिए इन विशेष वस्तुओं का उपयोग कर रहे हैं। मैं नहीं जानता कि अंधेरे में एक कंटेनर से पॉपकॉर्न खाने का अनुभव कैसा होता होगा। लेकिन मुझे भरोसा है कि इससे फिल्म प्रदर्शित करने वालों की आमदनी जरूर बढ़ रही है।फिल्म निर्माता कंपनियों और थिएटर मालिकों को लगता है कि इन विशेष पॉपकॉर्न बकेट्स से दर्शकों की यात्रा में अहमियत जुड़ती है और वापस जाते वक्त उनके पास एक मेमोरी होती है, जिसे वे घर में सजा सकते हैं। पॉपकॉर्न बकेट, ड्रिंक सिपर्स, टीशर्ट जैसी ये नई चीजें ना सिर्फ लाखों की आय बढ़ा रही हैं, बल्कि सिने प्रेमी अपने आनंद के लिए थिएटरों में आ रहे हैं और ऐसी कुछ चीजें लेकर वापस जा रहे हैं।ऐसे समय में जब बॉक्स ऑफिस बिक्री प्री-कोविड स्तर पर नहीं पहुंची है तो बड़ा मुनाफा देने वाली प्लास्टिक पॉपकॉर्न बकेट ही संभवतः थिएटरों के लिए बीते वर्षों में आई सबसे अच्छी खबर है।

किन देशों से करें फ्री में हायर एजुकेशन बीएससी के साथ कैसे करें बीएससी आयुर्वेद

नयी दिल्ली। आज हम दो सवालों का जवाब दे रहे हैं। आज के दोनों ही सवाल स्टूडेंट्स के हैं। ऑफलाइन कर लें। इससे आपके समय की बचत होगी और आपको दोनों डिग्रियों में एक साथ ज्यादा होगा, जो सालाना 15-20 लाख रुपए तक हो सकती है। ये निर्भर करता है कि आप किस शहर में

पहला सवाल है कपिल जी का और दूसरा सवाल है कमलेन्द्र जी का। उनका कहना हैं मैंनें 12वीं बायो से 85फीसदी प्राप्त किए हैं। बीएससी में एडमिशन का फॉर्म लगा दिया है और एडमिशन भी ले लिए है। मैं इसके साथ क्या आयुर्वेद बीएससी नर्सिंग कर सकता हूं। इसपर श्वेता खन्ना भंद्राल बताती हैं- आप एक साथ बीएससी नर्सिंग और बीएससी आयुर्वेद दोनों ही कर सकते हैं। लेकिन सलाह रहेगी कि आप जनरल बीएससी ऑनलाइन कर लें और बीएससी आयुर्वेद समय देना होगा। उनकी दूसरी जिज्ञासा -मैं अभी फाइनल ईयर बीटेक इन आईटी से कर रहा हूं। मैं फ्यूचर में मास्टर्स विदेश के किसी संस्थान से करना चाहता हूं। तो ऐसे देश का सुझाव दीजिए जहां फीस कम हो, या फ्री ऑफ कॉस्ट हो। सीनियर करियर काउंसलर रत्ना पंथ बताती हैं- आप जर्मनी, नॉर्वे, फिनलैंड और चेक रिपब्लिक जैसे देशों से ये डिग्री कर सकते हैं। जर्मनी में पब्लिक यूनिवर्सिटी में पढ़ाई फ्री ऑफ कॉस्ट होती है। सिर्फ आपको लिविंग कॉस्ट देना रह रहे हैं। इसके बाद आपको अप्लाई करने में कुछ बातों का ख्याल रखना होगा जैसे सबसे पहले आपको आईईएलटीएस का एग्जाम देना होगा जो कि इंग्लिश स्पीकिंग के लिए होता है इसमें आपको 6.5 स्कोर करना जरूरी होगा। इसके साथ ही आपको एसओपी यानी स्टेटमेंट ऑफ पर्पज देना होगा और लेटर ऑफ रिकमन्डेशन भी देना होगा। इसके साथ ही एकेडमिक इवोल्यूशन सेंटर सर्टिफिकेट लगाना होगा। इसके लिए डीड या यूनी असिस्ट पर जाकर अप्लाई करना होगा।

लखनऊ में आबकारी विभाग का इन्वेस्टर्स समिट कल,8 हजार करोड़ निवेश की उम्मीद, मंत्री नितिन अग्रवाल बोले- 1 ट्रिलियन इकोनॉमी लक्ष्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर वृद्धि दर दर्ज की है। इससे राज्य की राजस्व आय में जबरदस्त मिलेगी सभी मंजूरियां- निवेशकों की सुविधा के लिए आबकारी विभाग

के लक्ष्य तक पहुंचाने की दिशा में आबकारी विभाग पहली बार इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन करने जा रहा है। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में कल यानी बुधवार को यह समिट होगा। इस एक दिवसीय आयोजन में पुराने निवेशकों से लेकर नए निवेश के इच्छुक उद्योगपतियों तक को आमंत्रित किया गया है। विभाग ने इसे तीन श्रेणियों में बांटा है, जिसमें न सिर्फ नए निवेश के लिए एमओयू साइन होंगे, बल्कि पहले से जुड़े निवेशकों को भी धरातल पर उतारने की दिशा में ठोस बातचीत होगी।तीन वर्गों में बंटेगा इन्वेस्टमेंट सेशन- वे इन्वेस्टर्स जो पहले से आबकारी विभाग के साथ काम कर रहे हैं। वे जिनका एमओयू पहले से साइन है, लेकिन किसी कारणवश निवेश की प्रक्रिया में रुकावट आई है। वे नए निवेशक जो आबकारी क्षेत्र में पहली बार निवेश करना चाहते हैं। आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने बताया कि बीते वर्षों में विभाग ने सालाना औसतन 15 प्रतिशत की इजाफा हुआ है। एक्साइज नीति में किए गए बदलावों के कारण निवेशकों का रुझान लगातार बढ़ा है। इसका प्रमाण यह है कि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 2.0 में विभाग से जुड़े 46 निवेशकों ने 8 हजार करोड़ रुपए के निवेश की प्रतिबद्धता जताई थी। 100 डिस्टलरियों का लक्ष्य, 90 पहले से संचालित आबकारी मंत्री ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में 90 डिस्टलरी कार्यरत हैं। विभाग का लक्ष्य है कि अगले एक वर्ष में यह संख्या 100 तक पहुंचाई जाए। इसके लिए नई नीतियों और निवेशकों को दी जाने वाली सुविधाओं को और सशक्त किया जा रहा है।इस समिट के जरिए लोकल किसानों को भी फायदा पहुंचाने की योजना तैयार की जा रही है। ऐसे उत्पाद जिनसे शराब या अन्य अल्कोहलिक प्रोडक्ट तैयार होते हैं, उनका मूल्य किसानों को बेहतर रूप में दिलाने की नीति बनाई जा रही है। इससे प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। 'सिंगल विंडो सिस्टम' से 'सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम' लागू कर रहा है, जिससे सभी अनुमतियां एक ही जगह से मिल सकेंगी। इससे लालफीताशाही से मुक्ति मिलेगी और निवेश की प्रक्रिया तेज होगी। नितिन अग्रवाल ने कहा कि 'हमारा प्रदेश भले ही लैंडलॉक्ड है, लेकिन आज यूपी निवेशकों की पहली पसंद बन चुका है। एक्साइज पॉलिसी में किए गए सुधारों और निवेश मित्र वातावरण के चलते निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ा है।' कांवड़ रूट पर शराब दुकानें ढकने का कोई निर्देश नहीं शराब दुकानों को ढकने को लेकर विभाग की ओर से कांवड़ यात्रा मार्ग पर कोई स्पष्ट निर्देश नहीं दिया गया है। इस बारे में निर्णय जिला प्रशासन को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार लेने को कहा गया है। शिरा और अल्कोहल उत्पादन में यूपी ने देश में एक मजबूत पहचान बनाई है। आबकारी विभाग का प्रयास है कि निवेश के नए अवसरों के साथ-साथ प्रदेश को अल्कोहल आधारित उद्योगों का हब बनाया जाए।

कानपुर में पनकी धाम महंत पर आपत्तिजनक पोस्ट, महंत बोले- मेरी छवि धूमिल की जा रही

कानपूर। पनकी धाम महंत महामंडलेश्वर जितेंद्र दास को लेकर मंगलवार को पुलिस कमिश्नर आफिस में शिकायत की है।महंत

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट की गई। पोस्ट में लिखा है- राम मंदिर के पुजारी को एक लड़की से रेप केस में अरेस्ट किया गया। यह पोस्ट सूरज कुमार नाम के फेसबुक अकाउंट से की गई है। इस पोस्ट को लेकर श्रद्धालुओं में नाराजगी फैल गई है। महंत ने जितेंद्र दास ने बताया- आरोपी ने जो फोटो पोस्ट की है। वह जगन्नाथ यात्रा के दौरान पुलिस अधिकारियों से बात करने के दौरान की है। इस तरह की पोस्ट से मेरी छवि को धूमिल करने और धार्मिक भावनाओं को आहत करने की साजिश रची जा रही है। मेरे खिलाफ झूठी अफवाहें फैलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा- मैं चाहता हूं इस पोस्ट के पीछे जो भी व्यक्ति है, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इस मामले में डीसीपी क्राइम एसएम आबिदी का कहना है कि तहरीर मिली है। मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।वहीं कोर्ट के आदेश पर उनके खिलाफ दुकान खाली कराने को लेकर झगड़ा करने का एक केस दर्ज किया गया। इस मामले में महंत का कहना कि वहां मंदिर की दुकानें हैं। दुकानों को केडीए ने आवंटित किया है। दुकानदार सुधा तिवारी का किसी दूसरे दुकानदार से झगड़ा हुआ। वह जबरन महंतों का नाम ले रही हैं। मेरा उससे कोई मतलब नहीं है।पुलिस ने मामले की जांच की है। जांच में सब साफ हो गया है। यह आरोप सरासर गलत है। बुढ़वा मंगल वाले दिन हम लड़ाई करने क्यों जाएंगे। हम तो मंदिर में थे। यह सभी आरोप निराधार हैं।

'भारत को हाफिज सईद-मसूद अजहर सौंपने को तैयार', बिलावल के बयान पर घमासान; लश्कर और पीटीआई का पलटवार

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी ने एक बड़ा बयान बयान देकर पाकिस्तान को शर्मिंदा नहीं करना चाहिए था।पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के हाफिज सईद और मसूद

दिया है। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान को भारत को हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकवादियों को सौंपने में कोई आपत्ति नहीं है, अगर भारत सहयोग करने को तैयार हो। उन्होंने इसे भारत-पाक के बीच विश्वास बहाली का कदम बताया।न्यूज़ एजेंसी अल जजीरा को दिए इंटरव्यू में बिलावल ने कहा, 'अगर भारत-पाकिस्तान के बीच व्यापक वार्ता होती है और उसमें आतंकवाद पर चर्चा होती है, तो पाकिस्तान को किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को सौंपने में कोई परेशानी नहीं होगी।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में हाफिज सईद और मसूद अजहर के खिलाफ जो मामले चले हैं, वो मुख्यतः आतंकवाद के लिए फंडिंग से जुड़े हैं। लेकिन भारत से सबूत और गवाह नहीं आने के कारण, सीमा पार आतंकवाद के मामलों पर कार्रवाई करना मुश्किल हो गया है। बिलावल ने यह भी दावा किया कि हाफिज सईद जेल में है, जबकि मसूद अजहर अफगानिस्तान में छिपा हुआ है। उन्होंने कहा 'अगर भारत यह जानकारी देता है कि मसूद अजहर पाकिस्तान में है, तो हम उसे गिरफ्तार करने को तैयार हैं'।बिलावल के बयान के बाद हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। तल्हा, जो खुद भी एक वैश्विक आतंकी घोषित किया जा चुका है, ने कहा, 'बिलावल का बयान पूरी तरह गलत है और इससे पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचा है।' तल्हा ने कहा कि उनके परिवार और समर्थकों ने हमेशा भारत को किसी भी आतंकी के सौंपने का विरोध किया है और बिलावल को ऐसा अजहर के प्रत्यर्पण वाले बयान पर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी भड़क गई। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने बिलावल को बच्चा करार देते हुए कहा कि पता नहीं वह भारत को खुश करने के लिए इतना उत्सुक क्यों हैं। पीटीआई के प्रवक्ता शेख वकास अकरम ने कहा कि पीपीपी नेता बिलावल राजनीति में अपरिपक्व हैं। बिलावल का प्रस्ताव गलत है और पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ठीक नहीं है और ऐसे बयान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश को अपमानित करते हैं।कौन हैं हाफिज सईद और मसूद अजहर? हाफिज सईद- लश्कर-ए-तैयबा का सरगना, जिसे 26/11 मुंबई आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड माना जाता है। फिलहाल पाकिस्तान में 33 साल की सजा काट रहा है, लेकिन भारत का मानना है कि उसे अब भी विशेष सुविधा मिल रही है। मसूद अजहर-जैश-ए-मोहम्मद का मुखिया, जो भारत में कई आतंकी हमलों से जुड़ा है, जिसमें 2001 संसद हमला, 2008 मुंबई हमला, 2016 पठानकोट हमला, 2019 पुलवामा हमला शामिल है। उसे 1999 में कंधार विमान अपहरण कांड के दौरान छोड़ा गया था। पाकिस्तान की दोहरी नीति? हालांकि पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद को प्रतिबंधित कर रखा है, लेकिन भारत और कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों का आरोप है कि ये आतंकी संगठन पाकिस्तान में आज भी खुलेआम काम करते हैं और इन्हें सेना या खुफिया एजेंसी आईएसआई का समर्थन मिलता है।

पुणे में तीसरी मंजिल की ग्रिल से लटकी बच्ची:पड़ोसी ने बचाया, बच्ची को घर में बंद करके मां बड़ी बेटी को स्कूल छोड़ने गई थी

पुणे। पुणे में मंगलवार सुबह चार साल की एक बच्ची बिल्डिंग की तीसरी मंजिल की ग्रिल में निंबालकरवाड़ी इलाके की सोनावणे बिल्डिंग की है।पिछले साल तमिलनाडु में एक बच्ची को

फंसकर लटक गई। बच्ची की मां उसे गलती से घर में बंद करके बड़ी बेटी को स्कूल बस तक छोड़ने गई थी। घर में बंद बच्ची खेलते-खेलते खिड़की के पास पहुंच गई और ग्रिल से बाहर लटक गई। उसका सिर ग्रिल में अटक गया। उसी बिल्डिंग में रहने वाले एक फायर फाइटर ने बच्ची को लटकते देखा और तेजी से तीसरी मंजिल पर पहुंचे। दरवाजा बाहर से बंद होने पर नीचे गए और बच्ची की मां को घटना की जानकारी दी। इसके बाद दोनों ने ऊपर आकर बच्ची को बचाया। घटना मंगलवार सुबह करीब 9 बजे गुजर रेस्क्यू करने का वीडियो वायरल हुआ था। घटना अवादी शहर के एक हाउसिंग अपार्टमेंट की थी। 8 माह की एक बच्ची चौथी मंजिल से मां के हाथ से छूटकर गिर गई। बच्ची दूसरी मंजिल पर धूप से बचने के लिए लगे शेड पर जा गिरी। वह काफी देर तक शेड के किनारे पर लटकी रही। बच्ची को बचाने के लिए पड़ोसी ग्राउंड फ्लोर पर चादर तानकर खड़े रहे ताकि नीचे गिरने पर बच्ची को बचा सकें। तभी तीन आदमी पहली मंजिल की खिड़की पर आ गए। उनमें से एक आदमी खिड़की की रेलिंग पर चढ़ गया और बच्ची को बचा लिया।

इजराइल ने ट्रम्प को नोबेल के लिए नॉमिनेट किया,नेतन्याहू बोले- आप इसके हकदार, पाकिस्तान पहले नॉमिनेट कर चुका

नयी दिल्ली। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया है। नेतन्याहू ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में ट्रम्प से मुलाकात के दौरान इसकी जानकारी दी। नेतन्याहू ने कहा, 'मैं आपको वह लेटर दिखाना चाहता हूं जो मैंने नोबेल पुरस्कार कमेटी को भेजा है। इसमें आपको शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया है। आप इसके हकदार हैं। आपको यह मिलना चाहिए।' नेतन्याहू ने बताया कि उन्होंने यह फैसला मिडिल ईस्ट में शांति के लिए ट्रम्प की तरफ से की जा रही कोशिशों के मद्देनजर किया है। इजराइल से पहले पाकिस्तान ने 20 जून को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रम्प के नाम की सिफारिश की थी। इससे पहले ट्रम्प भी कई बार कह चुके हैं कि उन्होंने कई देशों के बीच जंग रुकवाई और उन्हें नोबेल मिलना चाहिए। उन्होंने 22 जून को कहा था, 'मुझे नोबेल शांति पुरस्कार 4-5 बार मिलना चाहिए था। लेकिन वे मुझे ये पुरस्कार नहीं देंगे क्योंकि वे इसे केवल लिबरल्स को देते हैं।' राष्ट्रपति ट्रम्प ने मंगलवार को फिर से दावा किया कि उनकी सरकार ने भारत और पाकिस्तान के बीच एक बहुत बड़ी लड़ाई को रोक दिया।

इसके साथ ही उन्होंने कोसोवो-सर्बिया और रवांडा-कांगो के बीच संघर्ष रोकने का दावा किया। ट्रम्प ने कहा- हमने कई झगड़े रोके, जिनमें भारत और पाकिस्तान का बहुत बड़ा विवाद शामिल था। हमने दोनों देशों से कहा कि अगर आप आपस में लड़ेंगे, तो हम आपके साथ कोई व्यापारिक संबंध नहीं रखेंगे। वे शायद परमाणु युद्ध के स्तर पर थे। इसे रोकना बहुत जरूरी था।पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने 18 जून को ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में मुलाकात की थी। यह मुलाकात मुनीर के ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार देने की मांग वाले बयान के बाद हुई। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने बताया कि मुनीर ने ट्रम्प को मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया है। उनके इस बयान के सम्मान में ट्रम्प ने उन्हें लंच पर बुलाया था। इसके दो दिन बाद पाकिस्तानी सरकार ने अपने ऑफिशियल स्टेटमेंट में कहा कि ट्रम्प ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों से बात कर संघर्षविराम में अहम भूमिका निभाई। इससे दो न्यूक्लियर ताकत वाले देशों के बीच युद्ध की आशंका टल गई। पाकिस्तान ने कहा कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ट्रम्प की कूटनीतिक पहल और मध्यस्थता ने एक बड़े युद्ध को टालने में मदद की। नोबेल प्राइज 2026 के लिए ऑफिशियल रजिस्ट्रेशन सितंबर में शुरू किए जाएंगे। हालांकि, अभी अंतिम तारिख का ऐलान नहीं किया गया है। 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 31 जनवरी थी।2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए 338 नॉमिनेशन किए गए। इनमें से 244 व्यक्ति और 94 संगठन थे। 2023 में इस पुरस्कार के 286 उम्मीदवार नामांकित थे। 2016 में सबसे अधिक 376 नॉमिनेशन हुए थे। नोबेल प्राइज वेबसाइट के मुताबिक उनकी ओर से किसी भी फील्ड में नोबेल के लिए नॉमिनेट होने वाले लोगों के नाम अगले 50 साल तक उजागर नहीं किए जाते हैं।

मराठी भाषा विवाद-ठाणे में राज ठाकरे की पार्टी का प्रदर्शनःमंत्री सरनाईक के पहुंचने पर कार्यकर्ताओं का विरोध,एमएनएस नेता-कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठी को लेकर विवाद के बीच ठाणे के भायंदर में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने प्रदर्शन किया। इस बीच महाराष्ट्र उन्हें दूसरा रास्ता सुझाया, लेकिन वे नहीं माने। यह कहना गलत होगा कि उन्हें अनुमति नहीं दी गई।सोमवार को ही डीसीपी प्रकाश चाहिए, लेकिन अगर कोई मराठी नहीं बोलता तो उसे पीटने की जरूरत नहीं है, लेकिन अगर कोई बेकार का ड्रामा करता है तो आपको

सरकार में मंत्री और स्थानीय विधायक प्रताप बाबूराव सरनाईक वहां पहुंचे, इससे एमएनएस कार्यकर्ता भड़के और उनका विरोध किया। इससे पहले मंगलवार सुबह पुलिस ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के ठाणे-पालघर प्रमुख अविनाश जाधव समेत कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया है। जाधव के नेतृत्व में ये कार्यकर्ता ठाणे के भायंदर में व्यापारियों के विरोध प्रदर्शन के जवाब में एक रैली करने जा रहे थे। पुलिस ने इस रैली की परमिशन नहीं दी थी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मैंने पुलिस कमिश्नर से बात की है, उन्होंने बताया कि रैली के लिए नहीं, बल्कि सभा के लिए अनुमति मांगी गई थी। भायंदर में ही 1 जुलाई को एक गुजराती दुकानदार को मराठी में बात न करने पर एमएनएस कार्यकर्ताओं ने मारपीट की थी। इसके विरोध में व्यापारियों ने कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन किया था।मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हम उन्हें सभा की अनुमति दे रहे थे, लेकिन वे उस रास्ते पर मार्च करना चाहते थे जहां ऐसा करना संभव नहीं था। हमने गायकवाड़ ने आदेश जारी कर जाधव के भायंदर आने पर एक दिन की रोक लगा दी। आदेश में कहा गया कि जाधव पर पहले से 28 आपराधिक केस दर्ज हैं और उनकी मौजूदगी से कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती है।मुंबई के मीरा रोड इलाके का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें एमएनएस कार्यकर्ताओं की गुजराती दुकानदार से मराठी न बोलने पर बहस हुई थी। कार्यकर्ता ने उससे कहा था कि तुमने मुझसे पूछा कि मराठी क्यों बोलनी चाहिए? जब तुम्हें परेशानी थी, तब तुम एमएनएस ऑफिस आए थे।' दुकानदार ने जवाब में कहा था कि उसे नहीं पता था कि मराठी बोलना अब जरूरी हो गया है। इस पर एक कार्यकर्ता गाली देते हुए दुकानदार को धमकाता है कि उसे इस इलाके में कारोबार नहीं करने दिया जाएगा। बहस के दौरान दुकानदार से मारपीट की गई थी।उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने 'मराठी एकता' पर शनिवार यानी 5 जुलाई को मुंबई के वर्ली सभागार में 'मराठी विजय रैली' की थी। राज ठाकरे ने कहा था, 'चाहे गुजराती हो या कोई और, उसे मराठी आनी उसके कान के नीचे मारना चाहिए। अगर आप किसी को पीटते हैं, तो घटना का वीडियो न बनाएं। महाराष्ट्र में भाषा विवाद क्या है महाराष्ट्र में अप्रैल में 1 से 5वीं तक के स्टूडेंट्स के लिए तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी अनिवार्य की गई थी। ये फैसला राज्य के सभी मराठी और अंग्रेजी मीडियम स्कूलों पर लागू किया गया था।नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के नए करिकुलम को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र में इन क्लासेज के लिए तीन भाषा की पॉलिसी लागू की गई थी। विवाद बढ़ने के बाद अपडेटेड गाइडलाइंस जारी की गई। मराठी और अंग्रेजी मीडियम में कक्षा 1 से 5वीं तक पढ़ने वाले स्टूडेंट्स तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी के अलावा भी दूसरी भारतीय भाषाएं चुन सकते हैं। इसके लिए शर्त बस यह होगी कि एक क्लास के कम से कम 20 स्टूडेंट्स हिंदी से इतर दूसरी भाषा को चुनें। ऐसी स्थिति में स्कूल में दूसरी भाषा की टीचर भी अपॉइंट कराई जाएगी। अगर दूसरी भाषा चुनने वाले स्टूडेंट्स का नंबर 20 से कम है तो वह भाषा ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई जाएगी।

यूपी की शिक्षा मंत्री गुलाब देवी का हापुड़ में एक्सीडेंट-सिर में गंभीर चोट

हापुड़। यूपी की माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी (70 साल) का मंगलवार को हापुड़ में एक्सीडेंट हो गया। उनकी एक्सयूवी पुलिस जीप से टकरा गई। सिर में चोट लगने के कारण गंभीर रूप से घायल हुई हैं। वहीं, ड्राइवर सतबीर के हाथ में चोट लगी है। हादसे के बाद मंत्री की गाड़ी में लगे एयरबैग नहीं खुले। मंत्री और ड्राइवर को रामा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। डीएम अभिषेक पांडे और एसपी ज्ञानंजय सिंह मौके पर पहुंचे। सीएमओ डॉक्टर सुनील त्यागी की टीम मंत्री का इलाज कर रही है। मंत्री के सिर की एमआरआई कराई जा रही है। दरअसल, मंत्री गुलाब देवी मंगलवार दोपहर दिल्ली से मुरादाबाद की तरफ जा रही थीं। उनकी एक्सयूवी के आगे पुलिस जीप चल रही थी। पिलखुआ थाना क्षेत्र में छिजारसी टोल प्लाजा के पास पुलिस जीप के आगे चल रही प्राइवेट गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगाया। इसलिए पुलिस जीप के ड्राइवर को भी

ब्रेक लगाना पड़ा। लेकिन मंत्री की एक्सयूवी पुलिस जीप से टकरा गई। गुलाब देवी कार में पीछे बैठी थीं। उनका सिर गाड़ी से टकराया। इससे वह घायल हो गईं। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। मंत्री को स्कॉर्पियो में बिठाकर टोल प्लाजा से करीब एक किमी दूरी पर स्थित रामा अस्पताल में भर्ती कराया गया।पिलखुवा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक पटनीश कुमार ने बताया, क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल कराया गया है।मंत्री गुलाब देवी की एक्सयूवी के ड्राइवर सतबीर ने बताया, मैंने टोल क्रॉस किया। अभी ठीक से कार का गेयर भी नहीं लग पाया था। तभी आगे वाली गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगा दी। एस्कॉर्ट वाली गाड़ी आगे चल रही थी। उसने भी अचानक ब्रेक लगा दी। उससे बचने के चक्कर में मेरी गाड़ी टकरा गई।सीएम योगी आदित्यनाथ और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने घायल मंत्री का हाल जाना है। सीएम ने डीएम अभिषेक पांडेय को फोन कर मंत्री से बात की। सीएम ने बेहतर इलाज के निर्देश दिए।

फ्लाइट में चोरी-छिपे बनाया गया श्रद्धा-राहुल का वीडियो,रवीना टंडन ने क्रू मेंबर्स को लगाई फटकार, कहा- ये प्राइवेसी का उल्लंघन है

नयी दिल्ली। रविवार को श्रद्धा कपूर और उनके बॉयफ्रेंड राहुल

मोदी का एक वीडियो वायरल हो गया। दोनों फ्लाइट में एक-दूसरे के साथ बैठे हुए बातें कर रहे थे। श्रद्धा बॉयफ्रेंड राहुल को अपने फोन में कुछ दिखा रही थीं, तभी फ्लाइट स्टाफ ने चोरी-छिपे उनका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। वीडियो वायरल होने के बाद रवीना टंडन ने इसे प्राइवेसी का उल्लंघन बताते हुए स्टाफ को फटकार लगाई है। श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी का वीडियो इंडिया फोरम के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज द्वारा शेयर किया गया था।वीडियो पर रवीना टंडन की नजर पड़ी तो उन्होंने भड़कते हुए कमेंट सेक्शन में लिखा- ये प्राइवेसी का उल्लंघन है। क्रू को ऐसा करने से पहले इस बारे में पता होना चाहिए। सहमति लेनी पड़ेगी। क्रू मेंबर्स से इसकी उम्मीद नहीं की जाती।रवीना टंडन ही नहीं कई सोशल मीडिया ने भी सेलेब्स के प्राइवेट मूमेंट की तस्वीरें और वीडियो लेने वाले क्रू मेंबर्स की जमकर आलोचना कर रहे हैं। कुछ वीडियो बनाने वाली लड़की को सस्पेंड करने की मांग कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कुछ यूजर्स वीडियो को जल्द से जल्द डिलीट करने की डिमांड कर रहे हैं।बताते चलें कि श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी कई सालों से रिलेशनशिप में हैं। श्रद्धा अपनी प्राइवेट लाइफ को सार्वजनिक नहीं करतीं, हालांकि दोनों अक्सर एक दूसरे के साथ वेकेशन तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। 35 साल के राहुल मेटल फेब्रिकेशन कंपनी के मालिक अमोद मोदी के बेटे हैं। बिजनेसमैन होने के साथ-साथ राहुल फिल्म इंडस्ट्री का भी हिस्सा हैं। उन्होंने प्यार का पंचनामा, सोनू के टीटू की स्वीटी और तू झूठी मैं मक्कार जैसी फिल्मों में काम किया है। फिल्म आकाशवाणी में वो एसोसिएट प्रोड्यूसर रहे हैं।श्रद्धा कपूर की बात करें तो आखिरी बार उन्हें साल 2024 की फिल्म स्त्री 2 में देखा गया है। फिलहाल वो किसी फिल्म का हिस्सा नहीं हैं।

14 साल की समारा साहनी ने दिए हीरोइनों की तरह एक्सप्रेशन्स वीडियो देख लोग बोले- ये अरिजीत सिंह को बेटी कब हुई?

नयी दिल्ली। रणबीर कपूर की भांजी और नीतू कपूर की नातिन दुनिया में कदम रखने की तैयारी अभी से कर रही हैं। नीतू कपूर की नातिन हाल ही में पपाराजी से मिली थीं तो उनसे हालचाल ले रही थीं। उनसे प्यार से पेश आ रही थीं। इतना ही नहीं, एक्ट्रेसेस की तरह पोज भी दे रही थीं। अब लेटेस्ट वीडियो में भी वह बला की खूबसूरत लग रही हैं। पार्टी लुक में वह अपने कातिलाना अंदाज से सबका ध्यान अपनी तरफ खींच रही हैं।समारा साहनी वीडियो में इंग्लिश सॉन्ग पर लिपसिंग कर रही हैं और एक्सप्रेशन्स के साथ उसे प्रेजेंट कर रही हैं। खुले बाल, चेहरे पर मेकअप लगाकर वह कमाल की अप्सरा लग रही हैं। शुरुआत में वह थोड़ी गंभीर रहती हैं और अंत में मुस्कुराने लगती हैं। वह चेहरे के हाव-भाव को गाने के बोल के हिसाब से बदलती दिख रही हैं।

समारा साहनी ने इस साल खूब लाइमलाइट बटोरी। आदर जैन की शादी में उनका जो वीडियो सामने आया उसके बाद से वह सबकी नजरों में छा गईं। अब इंस्टाग्राम पर वह फिर से सुर्खियों में हैं। उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर हर कोई अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहा है। कुछ ने तो उन्हें सिंगर अरिजीत सिंह की बेटी तक कह दिया है और कोई नीतू सिंह की जवानी से तुलना कर रहा है। रिद्धिमा कपूर साहनी की बेटी समारा साहनी की उम्र 14 साल है लेकिन वह फिल्मों की अब इस पर लोगों ने तरह-तरह के रिएक्शन्स दिए हैं।समारा के वीडियो पर एक यूजर ने लिखा, 'बहुत क्यूट लगती हैं।' एक ने लिखा, 'अच्छे से ग्रूमिंग हुई है।' एक ने लिखा, 'ये बहुत मैच्योर और बूढ़ी आंटी लगती है।' एक यूजर ने नानी से तुलना करते हुए लिखा, 'नीतू सिंह की कॉपी, हवस फिल्म जैसे नीतू सिंह लग रही।' एक ने लिखा, 'ये तो 25 साल की लग रही।' एक यूजर ने तो चुटकी लेते हुए पूछा, 'ये अरिजीत सिंह को बेटी कब हुई?'

मैं गौरी से पहले ही शादी कर चुका... आमिर खान ने नई गर्लफ्रेंड संग रिश्तों पर कहा- हम पार्टनर हैं और साथ हैं

नयी दिल्ली।आमिर खान इस वक्त अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर

भी खूब चर्चा बटोर रहे हैं। जब से उन्होंने गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट को सबसे मिलवाया है, तब से वह हर जगह उनके बारे में बात करते नजर आ रहे हैं। आमिर पहले ही बता चुके हैं कि उनकी गौरी से मुलाकात कैसे हुई और वो उन्हें कब से डेट कर रहे हैं। पर क्या आमिर ने गौरी से तीसरी शादी कर ली है? इसका जवाब एक्टर ने हाल ही एक इंटरव्यू में दिया।आमिर खान ने कहा है कि उन्होंने गौरी स्प्रैट से दिल ही दिल में शादी कर ली है, और वो दोनों साथ हैं। आमिर ने पहली शादी रीना दत्ता से साल 1986 में की थी। साल 2002 में उनका तलाक हो गया। इसके बाद आमिर ने किरण राव से दूसरी शादी और बेटे आजाद के पिता बने। हालांकि, आमिर का किरण राव से भी साल 2021 में तलाक हो गया। अब उन्होंने गौरी स्प्रैट संग शादी पर रिएक्ट किया है।'इंडियन एक्सप्रेस' से बातचीत में आमिर से पूछा गया कि आपको फिर से प्यार मिल गया है। क्या आप गौरी स्प्रैट से शादी करने की सोच रहे हैं? अभी आपका रिलेशनशिप किस स्थिति में है? इस पर आमिर ने जवाब दिया, 'गौरी और मैं एक दूसरे के बारे में वाकई सीरियस हैं। हम एक-दूसरे के प्रति बहुत कमिटेड हैं। और हम पार्टनर्स हैं। हम साथ हैं। शादी एक ऐसी चीज है, मेरा मतलब है कि दिल ही दिल में मैं गौरी से शादी कर चुका हूं। तो अब हम इसे औपचारिक रूप देते हैं या नहीं, यह मैं आगे बढ़ने के साथ तय करूंगा।'वहीं, आमिर ने राज शमानी के पॉडकास्ट में कहा था कि गौरी के मिलने से पहले वह खुद को बूढ़ा समझने लगे थे।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी-स्मृति ईरानी की 25 साल में बढ़ी 77678फीसदी फीस, अब 150 एपिसोड से कमाएंगी 210000000 रुपये!

नयी दिल्ली। टीवी धारावाहिक

' क्योंकि सास भी कभी बहू थी ' 29 जुलाई से रात 10:30 बजे शुरू होने जा रहा है। इसका इंतजार अब खत्म हुआ। 7 जुलाई की रात इसका नया प्रोमो जारी किया गया, जिसको देख हर किसी के रोंगटे खड़े हो गए। स्मृति ईरानी का फर्स्ट लुक हर किसी को 25 साल पीछे खींच ले गया। वह एकदम वही वाइब दे रही थीं, जो साल 2000 की शुरुआत में तुलसी बनकर दी थी। मगर क्या आप ये जानते हैं कि एक्ट्रेस को पहले और अब कितनी फीस मिल रही है? नहीं तो आइए जानते हैं। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' एक बार फिर से अपने पुराने परिवार के साथ लौट रहा है। हालांकि कुछ कलाकार नजर नहीं आएंगे। मगर तुलसी और मिहिर के रूप में स्मृति ईरानी और अमर उपाध्याय जरूर दिखाई देंगे, जिनको देखने के लिए फैंस बेहद एक्साइटेड हैं। 7 जुलाई को शो का लेटेस्ट प्रोमो के आने के बाद एक्ट्रेस और केंद्रीय मंत्री की फीस को लेकर एक दावा किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पहले सीजन से इस सीजन में उनकी फीस में 77,678इ की बढ़ोतरी हुई है। यानी वह पहले से अब 778 गुना ज्यादा चार्ज कर रही हैं।शो में तुलसी विरानी की भूमिका निभाने के लिए पहले स्मृति ईरानी को प्रति एपिसोड 1800 रुपये मिलते थे। जिसके बारे में वह कई बार बता भी चुकी हैं। अब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इस फीस में वृद्धि हुई और वह अब करीब 14 लाख रुपये हर एक एपिसोड के चार्ज कर रही हैं। जैसा कि बीच में खबर आई थी कि इस बार ये धारावाहिक सिर्फ 150 एपिसोड के साथ आएगा। ऐसे में अगर एक्ट्रेस की टोटल कमाई देखी जाए तो वह 210,000,000 (21 करोड़) रुपये होगी।'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में इस बार 7 कलाकार नजर नहीं आएंगे। उनकी मौत हो चुकी है। मिहिर विरानी के रूप में नजर आए इंदर कुमार की कार्डियक अरेस्ट से जान गई थी। 2017 में उनका निधन हुआ था। इस सीरियल में बा अबा विरानी के रोल में नजर आईं सुधा शिवपुरी भी नहीं रहीं 2015 में मल्टीपल ऑर्गन फेल्यिर के कारण उनकी मौत हो गई थी। गोवर्धन विरानी के रोल में दिखे दिनेश ठाकुर की भी 2012 में किडनी फेल होने के कारण मौत हो चुकी है। करिश्मा के पति शांतनु डे के रोल में नजर आए नरेंद्र झा भी हार्ट अटैक के कारण इस दुनिया को अलविदा कह चुके हैं। तुषार मेहता के किरदार में दिखे समीर शर्मा भी अब नहीं हैं। उन्होंने 2020 में अपने फ्लैट में सुसाइड कर लिया था। अबीर गोस्वामी भी 2013 में कार्डियक अरेस्ट के कारण इस दुनिया को अलविदा कह गए थे विकास सेठी ने शो में अबीर का किरदार निभाया और 2024 में ही उनका निधन हो गया था।

'लाफ्टर शेफ्स-ईशा मालवीय को देख एक्स-बॉयफ्रेंड्स अभिषेक और समर्थ की हालत पतली, एल्विश ने खूब चिढ़ाया

नयी दिल्ली। 'लाफ्टर शेफ्स एंटरटेनमेंट अनलिमिटेड' कुछ ही हफ्तों में खत्म होने वाला है। हाल

ही भारती ने बताया था कि शो का फिनाले चार हफ्तों में है। जल्द ही इसका सेमी-फिनाले एपिसोड टेलिकास्ट किया जाएगा, जिसमें दिव्यांका त्रिपाठी, देवोलीना भट्टाचार्जी, ईशा सिंह और श्रद्धा आर्या नजर आएंगी। ईशा मालवीय भी शो में नजर आएंगी। इसी शो में उनके दोनों एक्स-बॉयफ्रेंड अभिषेक कुमार और समर्थ जुरेल भी हैं। मेकर्स ने इस एपिसोड का प्रोमो रिलीज किया है, जिसमें ईशा की एंट्री पर अभिषेक और समर्थ का रिएक्शन दिखाया गया है।ईशा मालवीय को देख जहां अभिषेक कुमार के चेहरे का रंग उड़ जाता है और वह चुप हो जाते हैं, वहीं समर्थ जुरैल भी ईशा को नजरअंदाज करने की कोशिश करते हैं। हालांकि, एल्विश यादव, अली गोनी और कृष्णा अभिषेक मिलकर समर्थ और अभिषेक को चिढ़ाने लगते हैं।'लाफ्टर शेफ्स 2' का यह प्रोमो यूट्यूब पर वायरल हो रहा है, जिस पर यूजर्स के कमाल के रिएक्शन आ रहे हैं। उनका कहना है कि ईशा मालवीय की एंट्री के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि शो में उनके क्या-क्या मोमेंट्स दिखाए जाएंगे। वहीं, यूजर्स ने ईशा मालवीय की एंट्री की भी तारीफ की।मालूम हो कि ईशा मालवीय कभी अभिषेक कुमार और समर्थ जुरेल को डेट करती थीं। पहले वह अभिषेक कुमार के साथ रिलेशनशिप में थीं, पर बाद में उनका ब्रेकअप हो गया था। इसके बाद वह समर्थ जुरेल को डेट करने लगीं। ईशा मालवीय को लेकर अभिषेक और समर्थ के बीच बिग बॉस के घर में खूब लड़ाई-झगड़े भी देखे गए थे। पर शो खत्म होने के कुछ समय बाद ईशा और समर्थ का भी ब्रेकअप हो गया। अब अभिषेक और समर्थ एक-दूसरे के अच्छे दोस्त हैं और 'लाफ्टर शेफ्स 2' में उनकी बॉन्डिंग खूब पसंद की जा रही है।

ये लोग प्रार्थना सभा में भी.. आशीष विद्यार्थी ने बॉलीवुड की खोली पोल-पट्टी, सुनाया मुकुल आनंद के निधन का किस्सा

नयी दिल्ली। फिल्म इंडस्ट्री में किसी की मौत के बाद तमाम जाने-माने सेलेब्स

सफेद कपड़ों और आखों पर काला चश्मा पहने नजर आते हैं। इसको लेकर दिग्गज एक्टर आशीष विद्यार्थी ने एक कड़वे सच का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कैसे वहां पर लोग फुसफुसाकर बात करते हैं। एक फिल्ममेकर ने तो उनसे डेट्स के बारे भी डिस्कस किया, जोकि तब उन्हें बहुत अजीब लगा था। उन्होंने तब के जमाने के डायरेक्टर मुकुल आनंद की प्रार्थना सभा का किस्सा सुनाया है। आशीष विद्यार्थी ने हाल ही में फिल्म निर्माता मुकुल एस आनंद की मौत के बाद मुंबई में एक प्रार्थना सभा में अपने पहले एक्सपीरियंस को याद किया। मुकुल मौत से पहले सलमान खान, संजय दत्त और रवीना टंडन की 'दस' का निर्देशन कर रहे थे। उन्होंने साइरस ब्रोचा के पॉडकास्ट 'साइरस सेज' में कहा, 'हम शूटिंग के लिए उटाह गए थे। ये पहली बार था, जब मैं अमेरिका गया था। हम वापस आए और उनकी मौत हो गई।'उन्होंने आगे बोला, 'मैं फिल्म इंडस्ट्री में एक नौसिखिया था। मैं मुंबई में कभी किसी प्रार्थना सभा में नहीं गया था। जब मैं पहली बार वहां पहुंचा, तो सभी लोग सफेद कपड़े पहने हुए थे और उनके पास काले चश्मे थे। मेरे पास कभी सफेद कपड़े नहीं थे। मैं बहुत असहज महसूस कर रहा था, क्योंकि मैं अकेला रंगीन कपड़े पहने हुए था।'आशीष ने बताया कि जब वो जाने लगे तो तब की स्थिति और भी ज्यादा अजीब हो गई। उन्होंने बताया, 'जब मैं बाहर निकल रहा था और मुझे बहुत बुरा लग रहा था तो मैंने अपने हाथ जोड़ लिए और अपना सिर नीचे कर लिया। फिर एक सज्जन ने मेरी कोहनी को छुआ और कहा- बहुत खेद है। अगले हफ्ते की डेट्स की बात करते हैं।' ये सुनकर आशीष ने वैसे ही हाथ जोड़े हुए और सिर झुकाए हुए इसी हावभाव से उन्हें जवाब दिया।उन्होंने आगे कहा, 'बाहर निकलने के बाद मुझे हैरानी हुई कि क्या हो रहा है। जब तक आप पर्सनली संबंधित नहीं होते, तब तक आपको वास्तव में दर्द महसूस नहीं होता। लेकिन यहां आप प्रोफेशनल कैंपेसिटी में हैं। आप एक पेशेवर के रूप में शोक मना रहे हैं। सबकुछ स्लो है। हर कोई फुसफुसा रहा है। ये ऐसा है जैसे आप हॉस्पिटल में हैं, मैं आपको फोन करता हूं और आप कहते (फुसफुसाते) हैं- मैं अस्पताल में हूं। तो मैं कहता (फुसफुसाता) हूं- सब कुछ ठीक है? तो मैं उस मोमेंट का सम्मान करने के लिए फुसफुसाना शुरू कर देता हूं।' इसके अलावा एक्टर आशीष ने एक्स पर शोक से जुड़े ट्रेंड के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'आजकल ट्विटर पर कुछ बहुत ही दिलचस्प चलन सामने आया है। ये 'ओम शांति' है। जैसे वें छ्ह कहते हैं। और इसके बाद एक और लाइन आती है बहुत जल्दी चले गए।

'मेरा मुंह टेढ़ा हो रहा था, मुझे बहुत भूख लगी थी', बॉबी डार्लिंग पेशाब से भरे गंदे बाथरूम में करती थीं मेकअप'मेरा मुंह टेढ़ा हो रहा था, मुझे बहुत भूख लगी थी', बॉबी डार्लिंग पेशाब से भरे गंदे बाथरूम में करती थीं मेकअप

नयी दिल्ली। बॉबी डार्लिंग (पाखी शर्मा) ने अपनी लाइफ, इंडस्ट्री में काम, लोगों से मिले

नफरत, पिता से मिली मार-पीट और मां से मिली श्राप को लेकर सारी बातें दुनिया के सामने खोलकर रख दी है। बॉबी ने बताया कि उनकी मां उनसे बहुत प्यार करती थीं लेकिन उन्होंने जो भी किया उसकी वजह से वो बहुत बीमार हो गई थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का गिल्ट है और बहुत पछताती हैं...उन्हें लगता है कि मां की मौत का जिम्मेदार वही हैं। उन्होंने बताया कि बैंक छोड़ने के बाद फिल्मों से काम मिलना बंद हो गया तो बार डांसर बनना पड़ा।बॉबी ने सिद्धार्थ कन्नन के शो पर बताया कि उन्हें साल 2016 में पैरालाइसिस हुआ था। उन्होंने बताया कि वो 4-5 महीने वो हॉस्पिटलाइज रही थीं, क्योंकि उनके हसबैंड डर गए थे। उसके बाद रिकवरी करने में वक्त लगा। उन्होंने कहा, 'हल्का सा अभी भी है लेकिन मैं इसे अपने बीच आने नहीं देती, ये मेरी लाइफ का हिस्सा है। मेरे कोई बुरे कर्म थे जिसे मैंने पे किया है, मेरा मुंह टेढ़ा हो रहा था और मुझे बहुत भूख लगी थी।'उन्होंने बताया कि पहले 10 साल बहुत काम मिले, लेकिन फिर उन्हें काम मिलने बंद हो गए। उन्होंने बताया, 'वहां पर अंधेरी ईस्ट में पीएमजीपी कॉलोनी है, वहां सारे एक्टर्स घूमते हैं। वहां मैं अनुराग कश्यप, आशुतोष राणा और अनूप सोनी जैसे सितारों से मिली थी।एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं लिफ्ट से ऊपर जा रही थी, मुझे एक फ्लोर पर दो लड़कियां मिलीं, उन्होंने चमकी-चमकी कपड़े पहने हुए थे। मैंने पूछा- आप क्या करते हो तो उन्होंने कहा- बार में डांस करते हैं तो मैंने कहा- मुझे भी डांस करना है।'बॉबी ने कहा- मैं अपने कस्टमर्स को मिला दूंगी, वो पैसा उड़ाएगा तो आप अच्छा कमा सकते हो। वो मुझे बार में लेकर गई। जब फिल्म इंडस्ट्री का मेरा काम कम हो गया तो मैं फिर बार में पहुंची, जहां तब गई थी। वहां पर मैं डांस करती थी।उन्होंने कहा, ' जो वहां मेरे साथ काम करती थीं वहां पर वो मेरे साथ मेकअप रूम शेयर नहीं करती थीं तो मुझे जहां गंदा से टॉयलेट होता है, जहां जीरो वॉट का बल्ब लगा होता है, पेशाब और पॉटी की स्मेल...अनहाइजीनिक, वहां के टॉयलेट्स ऐसे ही होते हैं, उस जगह पर जाकर मैं सीट की कवर को बंद करती थी और उस जगह पर मेकअप करती थी।मेरे साथ कोई वैनिटी रूम शेयर नहीं करते तो क्या करूं, मुझे तो कमाई करनी है।'बॉबी डार्लिंग ने बताया कि वहां अगर किसी कस्टमर ने आप पर 100 रुपये फेंके तो बार को जाएगा 30 रुपये और आपको मिलेंगे 70 रुपये.. या फिर 40-60 का भी हिसाब बनता है। इसके अलावा सैलरी पर्सेंटेज पर होता था।उन्होंने बताया, 'पहले दिन मैंने 800 रुपये की कमाई की थी, वहां सबके नाम की पेटी होती है, मेरे में 800 थे। एक दिन ऐसा भी आया कि मैंने एक दिन में लाख रुपये कमाए।पाखी ने कहा, 'वहां मैंने करीब 5 साल तक डांस किया लेकिन अलग-अलग बार में, एक बार में नहीं। अगर आप एक बार में डांस करते हो तो आप अपमे चार्म को इनकैश नहीं कर पाएंगे। क्योंकि रोज तो वो आपको देख रहे हैं तो क्यों पैसा फेकेंगे।बॉबी ने बताया कि बर्थडे पार्टीज, वेडिंग, एनिवर्सरी, प्राइवेट शोज़, कॉकटेल पार्टी में भी डांस किया है। वहां प्राइवेट शोज़ में करीब 2 से 3 लाख रुपये मिल जाते थे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।